21 जुलाई 2025
सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

एमपी हाई स्कूल में पकड़ा गया संदिग्ध, हस्ताक्षर व आधार कार्ड में मिलना में पाया गया अंतर 2

बाढ़ की संभावना: पटना में गंगा, सोन व पुनपुन नदी का रौद्र रूप, आठ प्रखंडों 78 स्कूल बंद

केटी न्यूज/पटना

♦ पटना समेत राज्य के कई इलाकों में खतरे के निशान को पार कर चुकी है गंगा

पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश और बिहार में मानसून सक्रिय होने के कारण गंगा समेत राज्य के कई नदियों का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। इस कारण राजधानी पटना के दियारा इलाकों में बाढ़ की संभावना को देखते हुए लोग खौफजदा हैं। साथ ही, बाढ़ के पानी के कारण लोगों के सामने भारी परेशानी खड़ी हो गई है।

राजधानी में गंगा नदी के साथ साथ सोन और पुनपुन ने भी रौद्र रूप धारण कर लिया है। कई इलाके में गंगा अपने खतरे के निशान को पार गई है। ऐसे में गंगा का जलस्तर बढ़ने से दीघा में बिंद टोली में पानी फैल गया है। हालांकि अभी घरों में पानी नहीं घुसा है, लेकिन घर के बाहर पानी है। सड़कों पर बाढ़ का पानी लगने के कारण बिंद टोली में रहनेवाले लोगों को पानी से ही आवागमन करना पड़ रहा है। दूसरी ओर, दीघा घाट में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के पास ही है। दीघा घाट में गंगा का जलस्तर खतरे का

निशान 50.45 मीटर को पार कर गया रही है। इधर, गांधी घाट में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 33 सेंटीमीटर अधिक है। यहां जलस्तर में और बढ़ोतरी की आशंका है। गांधी घाट में ऊपर की सीढ़ियों तक पानी बह रहा है।

बाढ़ की संभावना के मद्देनजर पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने कहा कि दियारा क्षेत्र सहित निचले इलाके में जल स्तर को लेकर मॉनीटरिंग की जा रही है. दियारा क्षेत्र में एडीएम आपदा हालत का जायजा ले रहे हैं। बता दें कि, पुनपुन नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने लगा। पुनपुन नदी में निर्माण सस्पेंशन ब्रिज का नदी में लगा सपोर्टिंग एंगल कुछ जगहों को छोड़कर बह गया। जिससे निर्माण कार्य फिलहाल बंद हो गया। इधर, स्थानीय प्रशासन पटना बचाओ सुरक्षा बांध पर गश्त तेज कर दी है और सुरक्षा बांध का जायजा टीम के द्वारा लिया जा रहा है।

अधिकारी लगातार तटबंधों की कर रहे हैं निगरानी: आधिकारिक सूचना के अनुसार राज्य के कई जिलों में गंगा, सोन व पुनपुन नदियों का जलस्तर लाल निशान यानी खतरे के निशान के पार कर लिया है। इन नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी से तटीय इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। साथ ही जल संसाधन विभाग के अभियंता और अधिकारी लगातार तटबंधों की निगरानी कर रहे है। जल संसाधन विभाग ने अपने सभी तटबंधों को सुरक्षित होने का दावा किया है। पटना जिले के हाथीदह में गंगा का जलस्तर 29 सेमी ऊपर था। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए इमरजेंसी नंबर जारी किया गया है। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र, पटना को 24 घंटे चालू रखा गया है। आपदा केंद्र के इमरजेंसी नंबर- 0612- 2210118 पर कोई भी संपर्क कर सकता है।

अगले आदेश तक चिह्नित स्कूलों को बंद करने का निर्देश जारी

पटना। गंगा और अन्य नदियों के जलस्तर पर लगातार हो रही बढ़ोत्तरी के कारण पटना जिले के आठ प्रखंडों के 78 स्कूलों को बंद करने का फरमान जारी किया गया है। जिलाधिकारी ने आपदा प्रबंधन के तहत सभी संबंधित स्कूलों को इसकी सूचना देने का निर्देश दिया है। बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा के लिए जलस्तर सामान्य होने के बाद ही स्कूलों को खोलने पर विचार किया जाएगा। इस क्रम में जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने गंगा किनारे स्थित संवेदनशील इलाकों के 78 स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश सोमवार 21 जुलाई से प्रभावी होगा। जारी पत्र में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा है कि गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। इससे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों और शिक्षकों के जीवन और स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है। इसे देखते हुए जिले के आठ प्रखंडों की चिह्नित पंचायतों में स्थित स्कूलों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

उपेंद्र कुशवाहा ने निशांत को दी जन्मदिन की बधाई, एनडीएम को लेकर जताई चिंता

सरकार और पार्टी दोनों का संचालन स्वयं उनके लिए भी उचित नहीं: उपेंद्र

♦ राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष ने सीएम को दी है बड़ी सलाह

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का आज 44वां जन्मदिन है। जन्मदिन के मौके पर निशांत ने पटना के महावीर मंदिर पहुंचकर रूद्राभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने बिहार के लोगों से इस बार भी अपने पिता नीतीश कुमार को सीएम बनाने की अपील की। ऐसे में एक बार फिर से निशांत के सियासी एंट्री को लेकर कयास लगाए जाने लगे हैं। इसी बीच राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने सीएम नीतीश कुमार को बड़ी सलाह दे दी और जेडीयू के भविष्य को लेकर चिंता जताई है।

उपेंद्र कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और निशांत कुमार की तस्वीर अपने फेसबुक पेज पर शेयर करते हुए निशांत को जन्मदिन की बधाई दी है। साथ ही साथ उन्होंने जेडीयू के भविष्य को लेकर भी चिंता जताई है। उन्होंने निशांत को जेडीयू के लिए उम्मीद की नई रोशनी बताया है और मुख्यमंत्री को सलाह दी है कि अब सरकार और पार्टी दोनों का संचालन स्वयं उनके लिए भी उचित नहीं है। ऐसे में पार्टी की कमान निशांत कुमार को सौंप देना चाहिए।

जदयू की नई उम्मीद के लिए बधाई: कुशवाहा ने फेसबुक पर लिखा कि मीडिया/सोशल मीडिया से जानकारी मिली है कि आज बड़े भाई नीतीश कुमार जी के सुपुत्र निशांत का जन्मदिन है। खुशी के इस अवसर पर जदयू की नई उम्मीद निशांत को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। ईश्वर उसे हमेशा स्वस्थ एवं प्रसन्नचित्त रखें। उन्होंने लिखा कि इस अवसर पर आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी से अति विनम्र आग्रह है कि समय और परिस्थिति की नजाकत को समझते हुए इस सच को स्वीकार करने की कृपा करें कि अब सरकार और पार्टी का संचालन स्वयं उनके लिए भी उचित नहीं है। सरकार चलाने का उनका लंबा अनुभव है जिसका लाभ राज्य को आगे भी मिलता रहे, यह फिलहाल राज्य हित में अतिआवश्यक है। परन्तु पार्टी की जवाबदेही के हस्तांतरण के विषय पर समय रहते ठोस फैसला ले लें। यही उनके दल के हित में है। और इसमें विलंब दल के लिए अपूर्णीय नुकसान का कारण बन सकता है। शायद ऐसा नुकसान जिसकी भरपाई कभी हो भी नहीं पाये। (नोट - मैं जो कुछ कह रहा हूं, जदयू के नेता शायद मुख्यमंत्री जी से कह नहीं पाएंगे और कुछ लोग कह भी सकते हों, तो वैसे लोग वहां तक पहुंच ही नहीं पाते होंगे।)

नीतीश कुमार को कोई डगरा के बैगन न समझे

पटना। बिहार के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी ने रविवार को एक बड़ा सियासी बयान दिया है। उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से एनडीए के घटक दलों को चेतावनी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हल्के में लेना भूल होगी। मंत्री महेश्वर हजारी ने कहा कि कोई यह न समझे कि नीतीश कुमार डगरा के बैगन हैं। उन्हें समझना चाहिए कि नीतीश कुमार जिधर रहेंगे, सरकार भी उसी की बनेगी। हजारी ने दो टूक कहा कि नीतीश कुमार फर्स्ट डिवीजन में पास हों या थर्ड डिवीजन में, बिहार के मुख्यमंत्री वही रहेंगे। उन्हें नजरअंदाज कर कोई भी सरकार नहीं बन सकती। उन्होंने उक्त बातें समस्तीपुर में आयोजित मोटर वाहन संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन में कही। वो भी जब एनडीए शामिल लोजपा (रा) की तरफ से राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर हमले बोले जा रहे हैं। खुद चिराग पासवान घूम-घूमकर लोगों से सरकार की खामियां गिना रहे हैं।

हंगामेदार होगा विधानमंडल का मानसून सत्र

पटना। सोमवार से शुरू होने वाला बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र काफी हंगामेदार होने वाला है। विपक्ष मानसून सत्र में सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की योजना पर काफी होमवर्क भी किया है। दो मुद्दों तो ऐसे हैं जिन पर पूरा विपक्ष सदन में सत्ता पक्ष को बुरी तरह से घेरने की तैयारी में है। यूं समझिए कि ये मानसून यानी मानसून सत्र नीतीश कुमार की एनडीए सरकार के लिए काफी मुश्किल साबित हो सकता है। इस सत्र में मतदाता सूची गहन परीक्षण मामला पर विपक्ष सत्ता पक्ष को घेरने जा है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का भी अनुपालन नहीं हो रहा है। मतदाता सूची से नाम काटकर लोगों को सरकारी योजनाओं से वंचित करने की साजिश है। तेजस्वी ने कहा कि तीन दिन पहले 35 लाख वोटर हटाए जाने की खबरें सामने आईं। जब प्रक्रिया चल रही है तो इतनी संख्या में वोटर के नाम काटने की बातें कैसे आ गई। वोटरों के नाम बिना उनकी जानकारी के फर्जी ढंग से अपलोड किये जा रहे हैं। यादव वोटरों के नाम काटे जा रहे हैं।

चंदन मिश्रा हत्याकांड मामले में तौसीफ समेत पांचों शूटर कोलकाता से गिरफ्तार

हत्याकांड के मददगारों को एसटीएफ ने पटना-बक्सर से दबोचा

केटी न्यूज/पटना

राजधानी स्थित पारस अस्पताल में चंदन मिश्रा हत्याकांड में शामिल तौसीफ समेत पांच शूटरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। पुलिस ने कहा कि तौसीफ, निशु सहित पांच को कोलकाता से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक देर रात तक कोलकाता के अलग-अलग इलाके में छापेमारी की गई। वहीं, एसटीएफ ने अन्य तीन मददगारों को भी पटना और बक्सर से गिरफ्तार किया है। ऐसे में इस हत्याकांड में शामिल अब तक कुल आठ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

बिहार पुलिस और पश्चिम बंगाल एसटीएफ की एक संयुक्त टीम ने इसी मामले में न्यू टाउन से पांच लोगों को हिरासत में लिया था। अधिकारी ने बताया था कि गेस्ट हाउस में मिले लोगों में से एक संदिग्ध के पैर में चोटें आईं और उसे एम्बुलेंस में ले जाया गया। गेस्ट हाउस से हिरासत में लिए गए सभी लोगों को पूछताछ के लिए लालबाजार स्थित कोलकाता पुलिस मुख्यालय ले जाया गया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि हमें अभी भी यकीन नहीं है कि इनमें से कोई भी चंदन की हत्या में सीधे तौर पर शामिल था या नहीं।

सभी वहां से भागने में सफल रहे: इससे पहले मुख्य संदिग्धों के कोलकाता में छिपे होने की आशंका थी। लेकिन सभी वहां से भागने में सफल रहे। जिसके बाद नए सिरे से तलाशी अभियान शुरू किया गया है। सीसीटीवी फुटेज में एक सफेद एसयूवी दिखाई दे रही है, जिसमें पांच लोग सवार हैं। जिनके मुख्य अपराधी होने का संदेह है। ये सभी कार से बसंती हाईवे से होते हुए आनंदपुर, कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स और भांगर क्षेत्रों से गुजर रहे हैं। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए आनंदपुर, कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स और भांगर थाने के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में तलाशी अभियान चला रहे हैं। इस बीच पुलिस गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जो न्यू टाउन इलाके में स्थित हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के दो अलग-अलग फ्लैटों में रह रहे थे। अधिकारी ने बताया कि उनके मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज जब्त कर लिए गए हैं। सुबह लगभग 5:40 बजे की गई छापेमारी के दौरान, हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के बाहर एक जगह से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया और उससे पूछताछ के बाद दो फ्लैटों के अंदर से चार अन्य लोगों को पकड़ा गया।

अधिकारी ने कहा कि संभवतः इन लोगों ने अपराधियों के लिए वाहन की व्यवस्था करने के अलावा उन्हें छिपने में भी मदद की होगी। हम मामले की जांच के सिलसिले में उनकी कॉल लिस्ट और व्हाट्सएप मैसेंजर चैट की जांच कर रहे हैं। आपको बता दें कि बिहार के बक्सर जिले के निवासी चंदन मिश्रा की गुरुवार सुबह पटना के पारस अस्पताल में बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। चंदन हत्या के एक मामले में पैरोल पर बाहर था।

आम लदे ट्रक व गैस टैंकर की भीषण टक्कर में दो ड्राइवर की मौके पर मौत

केटी न्यूज/पटना

नालंदा के चंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत टीना गांव के पास शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। फोरलेन पर आम से लदी ट्रक और गैस टैंकर की आमने-सामने सीधी टक्कर में दोनों वाहनों के चालकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

वहीं, दोनों वाहनों के उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल रहुई उपस्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। मृतक चालकों की पहचान भोजपुर जिले के धर्मपुर गांव निवासी 45 वर्षीय उदय राम और नालंदा के रहुई थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी 26 वर्षीय शिव बालक यादव के रूप में हुई है। घायलों में मधुबनी निवासी विनोद राम और भागन बिगहा निवासी सुनील कुमार शामिल हैं, जो दोनों वाहनों में उपचालक के तौर पर तैनात थे। परिजनों के अनुसार, शिव बालक यादव उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से आम लादकर बिहार शरीफ मंडी की ओर आ रहे थे, जबकि गैस टैंकर पटना की दिशा में जा रहा था। आशंका जताई जा रही है कि किसी एक चालक को झपकी लगने के कारण यह दुर्घटना हुई।

भाजपा ने नौजवानों का भविष्य बर्बाद किया है: अखिलेश

एजेंसी/लखनऊ

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सभी विभागों की नौकरियों को संविदा और आउटसोर्स करके नौजवानों की जिंदगी में अंधेरा कर दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा युवा विरोधी पार्टी है। प्रदेश का युवा बेरोजगार है। इसने छात्रों, नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। आज छात्रों, युवाओं के पास नौकरी, रोजगार नहीं है। भाजपा सरकार ने सभी विभागों की नौकरियों को संविदा और आउटसोर्स करके नौजवानों की जिंदगी में अंधेरा कर दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा साजिश के तहत विभागों का निजीकरण कर रही है। अब बिजली विभाग इस सरकार के निशाने पर है। बिजली व्यवस्था को अपने चहेतों को देकर सरकार बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरी और आरक्षण से वंचित करने का षडयंत्र कर रही है। इनके पास युवाओं के भविष्य को लेकर कोई रोड मैप नहीं है। नौकरी, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य हर मुद्दे पर फेल भाजपा सरकार समाज में नफरत और भेदभाव फैलाने में जुट गई है। सपा मुखिया ने कहा कि सरकार में छात्रों को लगातार अपमानित किया जा रहा है। 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण का मामला हो या मेडिकल और अन्य क्षेत्रों में, हर जगह युवा अपमानित किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि हक की मांग करने पर सरकार पुलिस से लाठीचार्ज कराकर युवाओं की आवाज दबा देती है। प्रदेश में लाखों की संख्या में पढ़े-लिखे नौजवान भर्तियों का इंतजार करते हैं। परीक्षाओं की तैयारी करते है, लेकिन उन्हें निराशा ही मिल रही है।

मेरठ में मुख्यमंत्री योगी ने की कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा, बोले-

यात्रा में हुड़दंग मचाने व तोड़फोड़ करने वालों पर होगा एक्शन

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को मेरठ पहुंचे और कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। सीएम ने साफ कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान हुड़दंग मचाने वाले और तोड़फोड़ करने वालों का बख्शा नहीं जाएगा।

सीसीटीवी के माध्यम से उन्हें चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी। कानून हाथ में लेने का किसी को हक नहीं है। मोदीपुरम की शोभित यूनिवर्सिटी में सीएम का हेलीकॉप्टर उतरा। दुल्हेड़ा चौकी के पास लगे स्टेज से सीएम ने

कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। स्टेज पर राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपई, राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर, निवर्तमान दर्ज प्राप्त मंत्री पंडित सुनील भराला, कैंट विधायक अमित अग्रवाल समेत अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मेरठ आगमन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। शोभित यूनिवर्सिटी में सीएम योगी के हेलीकॉप्टर के उतरने का कार्यक्रम था। शोभित विवि के बाहर पूर्व विधायक संगीत सोम को रोक दिया गया। संगीत सोम अपनी गाड़ी से अंदर जाने के लिए अड़ गए, लेकिन पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। इस बीच संगीत सोम इधर उधर फोन घुमाते रहे। काफी देर खड़े होने के बाद वह अपनी गाड़ी से आगे चले गए।

उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे: कांवड़ यात्रा में तोड़फोड़ और उपद्रव करने वालों के योगी सरकार पोस्टर चस्पा करने जा रही है और यात्रा सम्पन्न होने के बाद उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। ये बातें खुद मुख्यमंत्री ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा के बाद हुई प्रेस ब्रीफिंग में कही। सीएम योगी इन घटनाओं को लेकर बेहद सख्त नजर आए और कहा कि सभी घटनाओं के सीसीटीवी हैं जिन्होंने भी कांवड़ यात्रा को बदनाम करने का प्रयास किया है। जो भी उपद्रवियों के भेष में छिपे हैं वो सब बेनकाब होंगे।

गंगा का बढ़ता जलस्तर बना चिंता का कारण, निचले इलाकों में फैल रहा है बाढ़ का पानी

- विवाह मंडप डूबा, सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ते हुए अब खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। रविवार को नदी का जलस्तर 59.79 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो खतरे के निशान 60.32 मीटर से कुछ ही सेंटीमीटर नीचे है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शहर का ऐतिहासिक रामरेखा घाट स्थित विवाह मंडप पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है। साथ ही सिमरी अंचल के गंगौली-जनेश्वर मिश्र सेतु के संपर्क पथ पर भी पानी चढ़ गया है, जिससे आमजन और प्रशासन दोनों में चिंता गहराती जा रही है। गंगा का पानी तटीय गांवों और निचले इलाकों में तेजी से फैल रहा है। इस कारण कई गांवों में सैकड़ों एकड़ में खड़ी फसल डूब चुकी है। वहीं, तटबंधों के भीतर बसे गांवों के लोग अपने मवेशियों और जरूरी सामानों के साथ सुरक्षित स्थानों की तलाश में निकल पड़े हैं। ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल है, विशेषकर नैनीजोर क्षेत्र में जहां कटाव ने समस्या को और गंभीर बना दिया है।

प्रशासनिक तैयारी तेज : स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को सतर्क कर दिया है। जिले के बक्सर, चौसा, चक्की, सिमरी, ब्रह्मपुर और आंशिक रूप से इटाढ़ी अंचल को बाढ़ संभावित क्षेत्र घोषित किया गया है। प्रशासन द्वारा आपदा प्रबंधन एवं विभागीय एसओपी के तहत समुचित तैयारी कर ली गई है। बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, बक्सर के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया गया है कि कोईलवर तटबंध की सुरक्षा के लिए ईसी बैग का पर्याप्त भंडारण किया जाए और तटबंध की 24 घंटे निगरानी के लिए विशेष टीम तैनात की जाए। अनुमंडल पदाधिकारी, बक्सर एवं डुमरांव को अपने-अपने क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों में निरंतर पर्यवेक्षण करने का निर्देश दिया गया है। बाढ़ प्रभावित अंचलों में कुल 96 नावों (छोटे, मझौले और बड़े) का अनुबंध किया गया है, जो आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए तैयार रहेंगे।

प्रभावित इलाकों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

जिला पशुपालन पदाधिकारी को पशु चारा एवं आवश्यक दवाओं के भंडारण की जिम्मेदारी सौंपी गई है ताकि पशुओं की देखभाल में कोई दिक्कत न हो। सिविल सर्जन, बक्सर को सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं उपकेंद्रों में जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।जिला प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे नदी किनारों से दूर रहें और अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी आपात स्थिति में लोग जिला आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष नंबर 06183-223333 पर संपर्क कर सकते हैं। स्थिति भले ही अभी नियंत्रण में हो, लेकिन गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर ने चिंता बढ़ा दी है।

एक नजर

डुमरांव में एनएच-120 सड़क की मरम्मत शुरू, गड्ढों से मिलेगी निजात

डुमरांव। डुमरांव शहर की जीवनरेखा कही जाने वाली एनएच-120 सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर लंबे समय से लोगों में नाराजगी थी। अब इस दिशा में राहत भरी पहल हुई है। रविवार को डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह की उपस्थिति में इस सड़क की मरम्मत कार्य की औपचारिक शुरूआत हुई। पहले चरण में सड़क के गड्ढों को भरने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। समतलीकरण का कार्य भी शीघ्र शुरू किया जाएगा, जिससे आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। मरम्मत कार्य की शुरूआत के मौके पर एनएचआई के सहायक अभियंता धर्मेंद्र धर्मकांत कई जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सड़क निर्माण का काम सीताराम इन्फ्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी को सौंपा गया है, जिसे 1.30 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। खास बात यह है कि मरम्मत के बाद एक साल तक सड़क की देखरेख और रखरखाव की जिम्मेदारी भी इसी कंपनी को दी गई है। विधायक डॉ. सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले सैकड़ों ई-रिक्शा चालकों ने उनके आवास पर पहुंचकर सड़क मरम्मत की मांग रखी थी। उन्होंने आश्वासन दिया था कि सोमवार या मंगलवार से कार्य शुरू हो जाएगा। लेकिन जनसहयोग और तत्परता के कारण काम समय से पहले ही शुरू हो गया।

दूसरे दिन भी सहज नहीं हो सका सड़क दुर्घटना में जान गवांने वाले स्वच्छता पर्यवेक्षक का परिवार

डुमरांव। शनिवार को भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले कोरानसराय थाना क्षेत्र के खलवा ईनार गांव निवासी तथा कसिया पंचायत के स्वच्छता पर्यवेक्षक रंजन कुमार सिंह का परिवार दूसरे दिन भी सहज नहीं हो पाया है। रविवार को पूरे दिन मृतक के घर से महिलाओं के रोने-सिसकने की आवाजे आ रही थी। सबसे खराब स्थिति मृतक के पत्नी सुनीता देवी व सास का था। वहीं, पिता श्रीभगवान यादव के अलावे भाईयों शशिकांत, रविकांत, विकास व विशाल का रो-रोकर बुरा हाल था। घर के कमाउ पूत के मौत का सदमा पीड़ित परिवार बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है।

रविवार को पूरे दिन मृतक के घर सांत्वना देने वाले रिश्तेदारों व करीबियों का आना-जाना लगा रहा, लेकिन नाते-रिश्तेदारों के ढांढस का एक भी मरहम पीड़ित परिवार के जख्मों पर मरहम नहीं लगा पा रहा था। बल्कि अर आनेवालों के साथ उनके जख्म हरे हो जा रहे थे। यह सिलसिल पूरे दिन चलते रहा। बता दें कि शनिवार को डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर स्थित खलवा ईनार के समीप एक भीषण हादसा हो गया था। लाल बालू लदी अनियंत्रित टेलर ने सड़क किनारे बाइक पर बैठ अपने ऑडिटर का इंतजार कर रहे खलवा ईनार गांव निवासी व स्वच्छता पर्यवेक्षक रंजन कुमार सिंह व इसी पद पर कार्यरत यूपी के रायबरेली जिला निवासी प्रियंका कुमारी को रौंदते हुए एक चाय दुकान में जा घुसी थी। इस घटना में रंजन की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, पटना के एम्स में इलाज के दौरान प्रियंका ने भी दम तोड़ दिया था।

जन सुराज पार्टी का 23 जुलाई को विधानसभा घेराव का ऐलान

बक्सर। जन सुराज पार्टी के जिला कार्यालय में रविवार को युवा संगठन की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता युवा जिला अध्यक्ष अनिल यादव ने की। इस बैठक में बतौर मुख्य अतिथि युवा शाहाबाद प्रभारी बजरंगी मिश्रा शामिल हुए। कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका और संगठन की मजबूती को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए बजरंगी मिश्रा ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की रीढ़ उसकी युवा शक्ति होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जन सुराज पार्टी युवाओं को विशेष महत्व दे रही है और उन्हें डिजिटल जोधा के रूप में तैयार किया जा रहा है, ताकि वे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें। उन्होंने बताया कि पार्टी का लक्ष्य बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ना है और इसके लिए तकनीक के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है। बजरंगी मिश्रा ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि 23 जुलाई विधानसभा घेराव कार्यक्रम में बक्सर से अधिक से अधिक संख्या में युवा शामिल हों और अपनी मांगों को शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से रखें। उन्होंने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन युवाओं की आवाज को सरकार तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। बैठक में दिवाकर पाठक, महासचिव रेखा कुशवाहा, मणि शंकर पांडेय, बनारसी बिहारी, बाल्मीकि यादव सहित अन्य उपस्थिति थे।

एमपी हाई स्कूल में शक के आधार पर पकड़ा गया संदिग्ध, हस्ताक्षर व आधार कार्ड में मिलना में पाया गया अंतर

सिपाही भर्ती परीक्षा में मुन्ना भाई गिरफ्तार

- मुन्ना भाई को पचास हजार रुपए में तय हुआ था। इसके बाद वह परीक्षा देने के लिए एमपी हाई स्कूल आया था
- एसपी शुभम आर्य को मिली थी गुप्त सूचना, इसके बाद तत्परता के साथ पकड़ा गया मुन्ना भाई
- एपुलिस की पूछताछ के बाद के अन्य साथियों की तलाश के लिए टीम हुई गठित

केटी न्यूज/बक्सर

सिपाही बहाली की लिखित परीक्षा के दूसरे चरण में रविवार को बक्सर के एक परीक्षा केंद्र पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक फर्जी परीक्षार्थी पकड़ा गया। परीक्षा में नकल और फजीर्वाड़े को रोकने के तमाम दावों के बीच लखीसराय से आए युवक ने दूसरे की जगह परीक्षा देने की कोशिश की, लेकिन सतर्क वीक्षक ने उसकी चाल पकड़ ली। पकड़े गए युवक की पहचान अरविंद कुमार पिता धर्मेंद्र साह, ग्राम धीरा, थाना कवइया, लखीसराय के रूप में हुई है, जो नीरज कुमार नाम के अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। उसकी संदिग्ध गतिविधियों को देखकर वीक्षक ने दस्तावेजों की जांच की, जिसमें फजीर्वाड़ा सामने आ गया।

परीक्षा केंद्र के बाहर मिला दूसरा युवक, मोबाइल के साथ करता रहा मदद : इस मामले में पुलिस ने अरविंद के साथ ही एक और युवक सोनू कुमार पिता धुरा यादव, ग्राम मखदुमपुर, लखीसराय को भी हिरासत में लिया है। वह परीक्षा केंद्र के बाहर मोबाइल फोन के साथ मौजूद था और अंदर बैठे अरविंद को तकनीकी मदद पहुंचा रहा था। दोनों ने पूछताछ में बताया कि वे एक दिन पहले बक्सर पहुंचे और एक होटल में रुके थे।

संगठित गिरोह की आशंका, नगर थाना में दर्ज हुई एफआईआर : केंद्राधीक्षक की शिकायत पर नगर थाना में दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला एक संगठित रैकेट से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, जो पैसे लेकर असली उम्मीदवार की जगह दूसरों से परीक्षा दिलवा रहा है। पुलिस अब इस रैकेट के नेटवर्क और अन्य शामिल लोगों की तलाश में जुट गई है।

परीक्षार्थियों में चिंता, अभिभावकों ने जताया आक्रोश : फर्जी परीक्षार्थी पकड़े जाने की खबर फैलते ही परीक्षा केंद्र पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। अभ्यर्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता पर सवाल उठाए और निगरानी को और कड़ा करने की मांग की। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि यदि इस फजीर्वाड़े में किसी गिरोह की भूमिका साबित होती है तो सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पचास हजार में हुआ था तय : सूत्रों मिली जानकारी के अनुसार इस परीक्षा में शामिल होने के लिए मुन्ना भाई को पचास हजार रुपए में तय हुआ था। इसके बाद वह परीक्षा देने के लिए एमपी हाई स्कूल आया था। हालांकि इस घटना में वास्तविक परीक्षार्थी नीरज कुमार पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही इस बात की सूचना मिल रही है कि मुन्ना भाई के बारे में एसपी शुभम आर्य को इसकी गुप्त सूचना मिली थी।

सिपाही भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त संपन्न, 5352 अभ्यर्थी हुए शामिल

बक्सर। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) के अंतर्गत बिहार पुलिस में सिपाही पद के लिए रविवार को आयोजित लिखित परीक्षा जिले में शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हुई। जिला नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस परीक्षा के लिए कुल 6289 परीक्षार्थियों का पंजीकरण हुआ था, जिनमें से 5352 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। वहीं, 937 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए थे। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। हर केंद्र पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जिससे किसी भी तरह की गड़बड़ी की आशंका को पहले ही निरस्त कर दिया गया।परीक्षा के दौरान एक अभ्यर्थी को अनुचित साधन का उपयोग करते हुए पकड़ा गया, जिसे परीक्षा से निष्कासित कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सख्ती के साथ नियमों का पालन कराया गया।परीक्षा को कदाचारमुक्त संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा तकनीकी संसाधनों का भी उपयोग किया गया। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई, ताकि किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता या कदाचार की घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। परीक्षा में शामिल हुए अधिकांश परीक्षार्थियों ने व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया और प्रशासन की तैयारियों की सराहना की। पुलिस परीक्षा की शुचिता और कानून व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सतर्क है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन की ओर से हर दिन सभी होटल व लॉज की जांच की जा रही है कि प्रश्न पत्र लिक करने वाला गिरोह की धरपकड़ की जा सके। वहां रहने वाले सभी लोगों को आईडी चेक किया जा रहा है। साथ ही परीक्षा शुरू होने से पहले एहतियात के तौर पर सभी फोटो स्टेट की दुकानों को बंद कर दिया जा रहा है। प्रश्न पत्र लिक करने वाले गिरोह की एक नहीं चल सके।

पार्टी से टिकट मिले या न मिले, जनता की सेवा के लिए डुमरांव विधानसभा से लड़ूंगा चुनाव : रवि उज्जवल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में रविवार को आयोजित जदयू नेता रवि उज्जवल कुशवाहा की महापंचायत ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। नगर भवन परिसर में आयोजित इस सभा में पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, महादलित और अल्पसंख्यक समाज से जुड़े लोग शामिल हुए। इसमें महिलाओं की भागीदारी भी बड़ी संख्या में देखने को मिली, जिससे यह महापंचायत सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बन गई।नगर भवन के अंदर सभा स्थल खचाखच भरा हुआ था, वहीं पांच गुना अधिक भीड़ बाहर जमा थी। लोगों की भारी उपस्थिति ने रवि उज्जवल के जनाधार को मजबूती से सामने ला दिया। सभा की अध्यक्षता वीरेंद्र कुशवाहा व संचालन गोपाल प्रसाद गुप्ता ने किया। महापंचायत को संबोधित करते हुए रवि उज्जवल ने कहा कि डुमरांव की जनता से उन्होंने वादा किया है कि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान वे 4 साल 6 महीने में कर देंगे। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी उन्हें टिकट देती है तो जदयू की सीट पक्की है, लेकिन यदि नजरअंदाज किया गया, तो नुकसान पार्टी को होगा।

रवि उज्जवल ने साफ कर दिया कि चाहे टिकट मिले या न मिले, उनका चुनाव लड़ना तय है। उन्होंने कहा कि अब वह समय नहीं रहा जब कोई अपने बाप-दादा के नाम पर टिकट लेकर चुनाव मैदान में उतरता और जनता उसे आंख बंद कर वोट दे देती। अब जनता जागरूक है और हम किसी के नाम पर नहीं, अपने काम के बल पर राजनीति करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी से भीख नहीं, अपना हक मांग रहे हैं। अगर उनका हक नहीं दिया गया, तो वे हर हाल में जोरदार जवाब देंगे। रवि उज्जवल ने भरोसा दिलाया कि वे जनता के विश्वास पर खरा उतरेंगे। इस मौके पर कमलेश गुप्ता, अनिल केशरी, मिन्टू हाशमी, मिथिलेश कुशवाहा, अभय विश्वास भट्ट, सत्यनारायण ठाकुर, सनाउल्ला कुरैशी, विजय सिंह, गरूदेव प्रसाद, रमावती देवी, गोरख चौधरी, राजेन्द्र पाल, पप्पू मौर्य, बिनोद ठाकुर समेत कई अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिहार में विकास की नई इबारत लिख रहे हैं नीतीश : अंजूम आरा

केटी न्यूज/बक्सर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा हाल ही में लिए गए फैसलों को लेकर जनता दल (यू) ने रविवार को बक्सर सर्किट हाउस में संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया। प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा और जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार का एकमात्र उद्देश्य बिहार के 14 करोड़ लोगों का कल्याण है और उनका सुशासन मॉडल गरीबों, बेटियों और युवाओं के भविष्य को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक अगस्त से 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त देने का फैसला सिर्फ एक घोषणा नहीं, बल्कि सीएम की जनसेवा और विश्वास की गारंटी है।उन्होंने बताया कि जब राज्य में बिजली की स्थिति बेहद खराब थी, तब नीतीश कुमार ने संकल्प लिया था कि जब तक बिजली सुधार नहीं होगा, वोट नहीं मांगेंगे कृ और आज शहरी क्षेत्रों में औसतन 23.6 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 21 से 22 घंटे बिजली मिल रही है। उन्होंने तेजस्वी यादव के उस बयान पर भी पलटवार किया जिसमें कहा गया था कि यह योजना उनके दबाव में लाई गई। जदयू प्रवक्ताओं ने स्पष्ट किया कि आरजेडी के 2020 के घोषणा-पत्र में मुफ्त बिजली का कोई वादा ही नहीं था।

घरेलु विवाद में युवक की पिटाई, केस दर्ज

चौगाई। मुरार थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव घरेलु विवाद को लेकर एक युवक की पिटाई का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित का प्राथमिक इलाज चौगाईं सीएचसी में कराया गया है। इस संबंध में पीड़ित कमलेश पांडेय पिता स्व. जगदीश पांडेय ने प्रदीप पांडेय के खिलाफ मुरार थाने में मारपीट करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस को दिए आवेदन में उसने प्रदीप पर मारपीट का आरोप लगाया है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ० वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ० अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरांव

बोले डीएम... मतदाता सूची की शुद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की जरूरत, नहीं करें इसमें त्रुटि

जिले के सभी मतदान केंद्रों पर करें बीएलओ और बीएलए की संयुक्त बैठक

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में आगामी चुनावों की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और सक्रिय नजर आ रहा है। इसी क्रम में अनुमंडल स्तर पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें डीएम डॉ. विद्यानन्द सिंह ने मतदान केंद्र स्तर के अधिकारियों व विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स को संबोधित किया। उन्होंने मतदाता सूची की शुद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही और स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की त्रुटि या विसंगति को किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। डीएम ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि मतदाता सूची में मृत, शिफ्ट और रिपीट मतदाताओं की पहचान करना अति आवश्यक है, ताकि आगामी प्रारूप मतदाता सूची पूर्ण रूप से त्रुटिरहित और अद्यतन हो सके। इसके लिए उन्होंने निर्देशित किया कि 20 और 21 जुलाई को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और बीएलए की संयुक्त बैठक आयोजित की जाए। इस बैठक में संबंधित मतदान केंद्र से जुड़े मृत, शिफ्ट और रिपीट के रूप में चिन्हित मतदाताओं की सूची साझा की जाएगी। डीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि इन बैठकों का उद्देश्य पारदर्शिता को बढ़ावा देना और राजनीतिक दलों की भागीदारी से मतदाता सूची को और अधिक विश्वसनीय बनाना है। उन्होंने बीएलओ को विशेष रूप से निर्देशित किया कि जिन मतदान केंद्रों पर कार्य शेष है, उन्हें शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन की विश्वसनीयता की बुनियाद एक सटीक मतदाता सूची होती है, और इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार, डीसीएलआर शहजाद आलम, बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, नावानगर और सिमरी प्रखंडों सहित अनुमंडल के सभी प्रखंडों के बीएलओ पर्यवेक्षक, बीएलओ और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीएलए उपस्थित रहे। बैठक के दौरान एसडीएम राकेश कुमार ने भी उपस्थित बीएलओ और बीएलए से संवाद करते हुए कहा कि यह एक साझा प्रयास है, जिसमें प्रशासन और राजनीतिक दलों की समान रूप से भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि बीएलओ और बीएलए के बीच समन्वय मजबूत हो, जिससे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य सुचारू रूप से आगे बढ़ सके।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर, 21 जुलाई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कोडरमा में गांजा तस्करी का भंडाफोड़ : हावड़ा-बाड़मेर एक्सप्रेस से युवक गिरफ्तार

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी ने ऑपरेशन नारकोस के तहत एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार की रात को यह कार्रवाई की गई। प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर रात करीब 12 बजे हावड़ा-बाड़मेर एक्सप्रेस की जांच की गई। इंजन से सटे पहले जनरल कोच में एक संदिग्ध व्यक्ति मिला। पूछताछ में उसने अपनी पहचान बिहार के रोहतास जिले के नासरीगंज निवासी बैजू कुमार उर्फ देवराज के रूप में बताई। तलाशी में उसके पास से तीन अलग-अलग पैकेट में कुल साढ़े पांच किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 82 हजार रुपए आंकी गई है। कार्यपालक दंडाधिकारी के सामने पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने तीन साथियों मंटू कुमार, टुनटुन कुमार और संजीत कुमार के साथ ओडिशा से गांजा खरीदकर धनबाद आया था। वहां से वह अकेला सासाराम जाने के लिए ट्रेन में सवार हुआ, जबकि उसके साथी धनबाद में ही रुक गए।

युवक को गोली मारने के आरोप में तीन गिरफ्तार : आपसी रंजिश में की थी वारदात

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर में शुक्रवार की रात लोचन कुमार को गोली मारने के आरोप में पुलिस ने शनिवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में दुईलाडुंगरी निवासी हरप्रीत सिंह गिल उर्फ राहुल गिल उर्फ गेड्डा (24), सोनारी जनता बस्ती निवासी धीरेन तन्तुबाई उर्फ मोची उर्फ दादा (28) और दुईलाडुंगरी निवासी प्रेम कुमार उर्फ आयुष साहु (21) शामिल हैं। सिटी एसपी शिवाशिष ने बताया कि तीनों आरोपी रवि खेड़ा गिरोह के सदस्य हैं। इन्हें दुईलाडुंगरी इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस की पूछताछ के क्रम में आरोपी हरप्रीत सिंह गिल उर्फ राहुल गिल ने बताया कि लोचन ने षड़यंत्र के तहत उसके भाई को जेल भिजवाया था। उसी समय से उससे रंजिश चल रही थी। इसी वजह से उसे गोली मारी गई। पुलिस ने इनके पास से पिस्टल, जिंदा कारतूस, दो खोखा, स्टील का चापड़, मोबाइल और दो मोटरसाइकिल बरामद की है। शुक्रवार की रात लोचन कुमार साकची से स्कूटी पर घर लौट रहा था। दुईलाडुंगरी सीपी कबीर क्लब के पास तीन बाइक सवारों ने उसे ओवरटेक किया। इसी दौरान धीरेन तन्तुबाई उर्फ मोची ने लोचन कुमार पर पिस्टल से फायर कर दिया।

पाकुड़ में जाली नोट छापने वाले गिरोह का पर्दाफाश : तीन आरोपी गिरफ्तार

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ में पुलिस ने जाली नोट छापने और खपाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से 7100 रुपए के जाली नोट, प्रिंटर, सादा पेपर और अन्य उपकरण बरामद किए गए। साथ ही दो मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल भी जब्त किए गए। एसपी निधि द्विवेदी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाकुड़िया थाना क्षेत्र से मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में पुलिस अवर निरीक्षक सन्नी सुप्रभात, पप्पू कुमार और एम साहा शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों में पाकुड़िया थाना के राज पोखर निवासी बादशाह खान, गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र के धमनी निवासी दीपक पंडित और चमकलाल पंडित शामिल हैं। बादशाह खान की पत्नी भी इस गिरोह की सदस्य थी। उसे 29 जून को जाली नोट खपाने के दौरान गिरफ्तार किया गया था। उस पर नगर थाने में मामला दर्ज है।

खेलो इंडिया विमेंस सिटी लीग आयोजित : चाईबासा में अस्मिता साइकलिंग लीग में सैकड़ों लड़कियों ने दिखाया दम

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड साइकिलिंग एसोसिएशन, पश्चिमी सिंहभूम साइकिलिंग एसोसिएशन और साईं ने चाईबासा के सोनुआ में अस्मिता साइकलिंग सिटी लीग 2025-26 का आयोजन किया। यह आयोजन खेलो इंडिया विमेंस सिटी लीग के तहत किया गया। प्रतियोगिता में सीनियर और जूनियर वर्ग की सैकड़ों लड़कियों ने हिस्सा लिया। राज्य में यह प्रतियोगिता दो स्थानों पर आयोजित की जा रही है। पहला आयोजन चाईबासा में हुआ और दूसरा लोहरदगा में होगा। इस प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। पश्चिमी सिंहभूम जिला ओलिंपिक संघ के सचिव अजय नायक ने कहा कि स्थानीय खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं है। उन्हें बस उचित मंच की जरूरत है। झारखंड साइकिलिंग एसोसिएशन की इस पहल से लड़कियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। झारखंड साइकिलिंग एसोसिएशन के कोच राम कुमार भट्ट ने इस आयोजन को भारत सरकार की सराहनीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों को एक बेहतर प्लेटफॉर्म मिलेगा। विजेता खिलाड़ियों को पश्चिमी सिंहभूम साइकिलिंग एसोसिएशन की जिला सचिव गुलांची बहनादा, जिला परिषद सदस्य जगदीश नायक और अन्य अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

लातेहार में यूपी के 5 तस्कर गिरफ्तार : रांची से यूपी ले जा रहे थे डेढ़ क्विंटल गांजा, दो कार से पकड़े गए

लातेहार, एजेंसी। लातेहार में पुलिस ने शनिवार को वाहन चेकिंग अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई की। चंदवा थाना क्षेत्र के एनएच-39 पर ब्राह्मणी के पास से पुलिस ने दो कार से डेढ़ क्विंटल गांजा बरामद किया। इनोवा कार से 90 किलो और अर्टिगा कार से 60 किलो गांजा जब्त किया गया। पुलिस ने मौके से उत्तर प्रदेश के पांच तस्करों को गिरफ्तार किया। इनमें अभिराज सिंह, आर्यन सिंह, निशांत उपाध्याय, प्रमोद कुमार और प्रदीप कुमार गौतम शामिल हैं। अभिराज सिंह और आर्यन सिंह रायबरेली के, निशांत उपाध्याय और प्रमोद कुमार बस्ती के प्रदीप कुमार गौतम लखनऊ के रहने वाले हैं। आरोपियों के पास से दो कार व 9 मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। एसडीपीओ अरविंद कुमार ने बताया कि बरामद गांजे की बाजार कीमत लगभग 5 लाख रुपए है। तस्कर इस गांजे को रांची से उत्तर प्रदेश ले जा रहे थे। यह कार्रवाई एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर की गई। मालूम हो कि रांची-मेदिनीनगर मार्ग (एनएच 39) लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी का रास्ता रहा है।

झारखंड में अगले 5 दिन नहीं होगी भारी बारिश

आंधी-तूफान से सतर्क रहने की चेतावनी

रांची, एजेंसी। झारखंड में फिलहाल भारी बारिश से राहत मिलती दिख रही है। भारतीय मौसम विभाग, रांची केंद्र के अनुसार, राज्य के किसी भी भाग में आगामी पांच दिनों के दौरान भारी बारिश की कोई संभावना नहीं है। हालांकि 20 और 21 जुलाई को कुछ जिलों में गरज के साथ हल्के से मध्यम वर्षा और आंधी चलने की संभावना जताई गई है। इन दिनों तेज हवाएं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

गढ़वा में 7.4 मिमी और रांची में 0.1 मिमी बारिश : जारी आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक बारिश गढ़वा में 7.4 मिमी दर्ज की गई, जबकि रांची में 0.1 मिमी वर्षा रिकॉर्ड हुई। अधिकतम तापमान देवघर में 34.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान चाईबासा में 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य के उत्तर पश्चिमी, दक्षिणी, उत्तरपूर्वी और मध्य भागों में 20 और 21 जुलाई को आंशिक बादल छाए रहेंगे। गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। 22 जुलाई से 23 जुलाई तक भी मौसम लगभग समान रहने की उम्मीद है। 24 और 25 जुलाई को फिर से कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

जुलाई में अब तक सामान्य से 11प्रतिशत अधिक बारिश : मौसम केंद्र रांची के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक रांची में मौसम सामान्य बना रहेगा। 23 जुलाई तक बादल छाए रहेंगे और एक-दो बार हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। वहीं, 24 और 25 जुलाई को भी मौसम में बदलाव की संभावना नहीं है और हल्की बारिश जारी रह सकती है। वहीं, 1 जून से 19 जुलाई 2025 तक की बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो रांची में इस अवधि में कुल 859.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि सामान्य बारिश 774.4 मिमी होनी चाहिए थी। प्रदेश में बारिश की बात करें तो औसतन 627.3 मिमी बारिश हुई है, जबकि सामान्य मात्रा 380.6 मिमी है। यह सामान्य से 65प्रतिशत अधिक है। पूर्वी सिंहभूम, सिमडेगा, पाकुड़ और साहिबगंज में भी बारिश अत्यधिक दर्ज की गई है, जबकि गढ़वा में बारिश में 20प्रतिशत की कमी रही।

32 से 36 डिग्री के बीच रह सकता है अधिकतम पारा : आज झारखंड के विभिन्न जिलों में अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। सबसे अधिक अधिकतम तापमान साहिबगंज, पलामू और पाकुड़ में रह सकता है। न्यूनतम तापमान की बात करें तो सर्वाधिक न्यूनतम तापमान साहिबगंज और पाकुड़ में रहने के आसार हैं।

रांची में उत्पाद विभाग की रेड, एमआरपी से अधिक कीमत पर बेची जा रही थी शराब, सात दुकानदार गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेच रहे दुकानदारों की धर-पकड़, गिरफ्तारी व उनपर प्राथमिकियां दर्ज होनी शुरू हो गई है। आयुक्त उत्पाद आईएएस रवि शंकर शुक्ला के नेतृत्व में शनिवार की शाम औचक छापेमारी पर निकली उत्पाद विभाग की टीम ने पंडरा से चार व मोरहाबादी से तीन दुकानदारों को गिरफ्तार कर लिया।

कुल तीन दुकानों में छापेमारी हुई, जिनमें दो दुकानों में वहां के दुकानदार शराब की बोतलों पर एमआरपी से दस रुपये अधिक लेते पकड़े गए। छापेमारी टीम ने गिरफ्तार सातों दुकानदारों को स्थानीय थाने के हवाले कर दिया है।

उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल, दोनों दुकानों में स्टाक व बिक्री की राशि का मिलान करने के बाद अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है।

मोरहाबादी स्थित शराब दुकान से दुकान प्रभारी प्रभात रंजन सिंह, सहायक विजय कुमार व निखिल कुमार साहू शामिल हैं। प्रभात रंजन सिंह बिहार के नालंदा जिले के कतरीसराय थाना क्षेत्र के दरबेसपुरा के रहने वाला है। गिरफ्तार विजय कुमार रांची के बरियातू स्थित चिरौंदी का तथा निखिल कुमार साहू रांची जिले के बेड़ो थाना क्षेत्र के खुखरा का रहने वाला है।

पंडरा स्थित शराब दुकान से मनोज कुमार, अनूप कुमार, भीम कुमार गुप्ता व पंकज कुमार की गिरफ्तारी हुई है। मनोज कुमार लातेहार के बरवाडीह का रहने वाला है। वहीं, अनूप कुमार लातेहार के ही चंदवा धोबी टोला, भीम कुमार गुप्ता गढ़वा के भवनाथपुर के परसोडीह का व पंकज कुमार पलामू के पड़वा थाना क्षेत्र के मझिगांव का रहने वाला है।

बाबा पर जलार्पण के बाद मां बगलामुखी से नहीं लगायी अर्जी, तो अधूरी रह जायेगी कामना!

रांची, एजेंसी। श्रावण माह में देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर का खास महत्व है. यहां हर दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा पर जलार्पण करते हैं. इतना ही नहीं बाबा पर जलार्पण के बाद कांवरिया माता बगलामुखी को जल चढ़ाने और पूजा करने नहीं भूलते हैं. यह परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है.

बता दें कि बाबा वैद्यनाथ 12 ज्योतिर्लिंग में से एक है. यह एक शक्तिपीठ भी है. यहां माता के 52 खंडों में एक ह्दय गिरा है. इसलिए इसे ह्रदयपीठ भी कहा जाता है. मान्यता है कि जहां-जहां शक्तिपीठ है. वहां पर भैरव की उपस्थिति होती है, जैसे ज्योतिर्लिंग स्थल के संरक्षण के लिए भैरव क्षेत्रपालक के रूप में उपस्थित रहते हैं. उसी प्रकार बाबा वैद्यनाथ तक फरियाद पहुंचाने वाली मां बगलामुखी है, जिनकी मंत्री के रूप में मान्यता है.

श्रावणी मेला में जहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा पर जलार्पण के लिए आते हैं और अपनी मनोकामनाएं पूर्ण के लिए भैरव को अपनी कामना सुनाते हैं. वहीं माता बगलामुखी को पास भी अर्जी लगाते हैं. ताकि माता उनकी कामना को बाबा तक पहुंचाये. इसलिए बाबा मंदिर आने वाले श्रद्धालु व श्रावणी मेला के दौरान बाबा पर जलार्पण के लिए आने वाले श्रद्धालु बाबा पर जलार्पण के बाद माता बगला पर जलार्पण कर पूजा अर्चना करना नहीं भूलते हैं.

दो लाख लाओ, मनचाही दुकान पाओ; नई उत्पाद नीति शुरू होने से पहले झारखंड में बिचौलिए हुए एक्टिव

रांची, एजेंसी। राज्य में एक सितंबर से नई उत्पाद नीति के तहत निजी हाथों से शराब की खुदरा बिक्री शुरू होनी है। नई उत्पाद नीति शुरू होने के पूर्व ही बिचौलिए सक्रिय हो गए हैं।

इन बिचौलियों में कुछ तथाकथित यूट्यूबर भी शामिल हैं। ये अपनी पहुंच पैरवी का हवाला देकर शराब कारोबारियों को अपने झांसे में ले रहे हैं। उन्हें मनचाही दुकान दिलाने का दावा कर रहे हैं और इसके बदले मोटी रकम की मांग भी कर रहे हैं।

जो सूचना है उसके अनुसार ये बिचौलिए शराब कारोबारियों को आश्वस्त कर रहे हैं कि वे (शराब कारोबारी) जिस दुकान को लाटरी में निकलवाना चाह रहे हैं, वही दुकान उनके नाम से लाटरी में निकलेगी। 26 जुलाई से आठ अगस्त तक पूरे राज्य में लाटरी से शराब दुकानों का आवंटन होना है।

ये बिचौलिए शराब कारोबारियों से उनकी मनचाही दुकान लाटरी में निकलवाने के एवज में पहले दो लाख रुपये प्रति दुकान की मांग कर रहे हैं। दुकान निकलने के बाद उक्त दुकानदार को पांच लाख रुपये और देने होंगे। यानी कुल सात लाख रुपये देने होंगे। नई व्यवस्था के तहत पूरे राज्य में करीब 1600 खुदरा दुकानों का संचालन होना है। इसकी तैयारी चल रही है। निजी दुकानदारों के माध्यम से ही खुदरा दुकानों का संचालन होना है।

वर्तमान में राज्य में 1453 दुकानें संचालित हो रही हैं, जिनका संचालन झारखंड राज्य बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से हो रहा है। नई व्यवस्था को लेकर अधिसूचना पूर्व में जारी हुई थी। आठ अगस्त तक लाटरी के माध्यम से दुकानों का आवंटन भी हो जाना है।

इसके लिए सभी जिलों के उपायुक्तों को उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग ने जिलावार राजस्व लक्ष्य भी दे दिया है, जिसके अनुरूप प्रत्येक दुकानों के लिए राजस्व लक्ष्य तय किया जाना है।

झारखंड शराब व्यापारी संघ के महासचिव सुबोध कुमार जायसवाल ने राज्य के शराब व्यापारियों से अपील की है कि वे वे बिचौलियों के चक्कर में न पड़ें। किसी भी अफवाह से दूर रहें और रिश्वत किसी को न दें। बिचौलिए ठगी करेंगे, दुकान नहीं दिलवा सकते हैं। लाटरी एनआइसी के माध्यम से निकलेगा।

रिश्वत देने पर मनचाही दुकान दिलाने का आश्वासन देने वाले सिर्फ ठगी का शिकार बनाएंगे, दुकान नहीं दिलवा सकते हैं।

इरफान जी, बेटे कृष अंसारी का नाम कृष्ण कर दीजिए भानु प्रताप ने स्वास्थ्य मंत्री को क्यों दी सलाह

रांची, एजेंसी। राज्य के 19 वर्षीय पुत्र कृष अंसारी के अस्पताल निरीक्षण करने की खबरें राज्य में चर्चा का विषय बनी हुई है. विपक्ष भी लगातार इस मुद्दे को लेकर मंत्री पर हमलावर है. इसी बीच भाजपा नेता सह पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही ने मंत्री और उनके बेटे को घेरे में लिया है. बेटे के अस्पताल निरीक्षण करने की बातों के बीच पूर्व विधायक ने मंत्री को बेटे का नाम बदलने की बड़ी सलाह दे दी है.

भानु प्रताप शाही ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया. इसमें पूर्व विधायक पहले तो मंत्री इरफान अंसारी के पुत्र कृष अंसारी के अस्पताल निरीक्षण करने की बात उठाते हुए कहते हैं कि आप तो मंत्री थे, बेटा को भी मंत्री का पावर दे दिये. इसके बाद वह कहते हैं बेटे का नाम अच्छा रखे हैं कृष, अगर कृष की जगह पर कृष्ण नाम होता तो और अच्छा होता. हम लोग इसे घर वापसी मांगते. विचार कीजिए और कृष का नाम कृष्ण कर दीजिए. आइये हनुमान चालीसा पढ़ते हैं दोनों भाई।

मालूम हो बीते दिनों इरफान अंसारी के पुत्र कृष अंसारी अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे थे. निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के कर्मियों को कई दिशा-निर्देश भी दिये. अस्पताल निरीक्षण के दौरान वीडियो बना कर इसे सोशल मीडिया पर शेयर भी किया गया. देखते ही देखते यह वीडियो वायरल हो गया और राज्य में चर्चा का विषय बन गया.

मंत्री इरफान अंसारी ने दी प्रतिक्रिया : इस पूरे मामले पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की प्रतिक्रिया भी सामने आयी है. उन्होंने कहा मेरे पुत्र कृष अंसारी को लेकर जो बातें कुछ मीडिया माध्यमों और राजनीतिक मानसिकता के लोगों द्वारा फैलायी जा रही हैं, वह पूरी तरह निराधार, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण है. कृष एक पढ़ा-लिखा, संवेदनशील और होनहार छात्र है. वह अभी छुट्टियों में रांची आया हुआ है. उसने इंसानियत और संवेदनशीलता के भाव से किसी की तकलीफ कम करने की कोशिश की है. वह रिम्स में किसी निरीक्षण या नेतागीरी के लिए नहीं गया था. वह कुछ आदिवासी परिवारों की मदद करने के साथ ही अपने शिक्षक आदित्य कुमार झा के पिता को देखने गया था, जो रिम्स में भर्ती हैं.

सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले 301 दिव्यांग बच्चों के लिए गुड न्यूज, शिक्षा विभाग देगी सहायक उपकरण

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले दिव्यांग बच्चों के लिए बड़ी खबर है. 1800 स्कूल के 301 विद्यार्थियों की जांच के बाद सभी को सहायक उपकरण मिलेंगे. जानकारी के अनुसार, समावेशी शिक्षा के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद विद्यार्थियों की जांच के बाद उन्हें उपकरण मुहैया कराएगा. इसमें कक्षा एक से 12वीं तक के स्टूडेंट्स को शामिल किया गया है. इसके जांच शिविर को लेकर शिक्षा विभाग ने शेड्यूल तैयार किया है.

शेड्यूल के मुताबिक, सबसे पहले विष्णुगढ़ में 30 जुलाई से जांच शिविर की शुरुआत होगी. वहीं, केरेडारी में 31 जुलाई को शिविर लगाया जायेगा. शेष प्रखंडों में एक अगस्त से शिविर शुरू होगा. जबकि, इसका अंतिम जांच शिविर टाटीझरिया प्रखंड में 20 अगस्त को लगेगा. 16 प्रखंड में सबसे अधिक कटकमसांडी प्रखंड में 40 दिव्यांग विद्यार्थियों की पहचान की गई है. वहीं, सबसे कम चार विद्यार्थी कटकमदाग प्रखंड में चिन्हित हैं.

यह अभियान राज्य स्तर पर 16 जून से शुरू है. इसका समापन एक सितंबर 2025 को किया जायेगा. दूसरे पाठ में दिसंबर महीने से फरवरी 2026 तक शिविर आयोजित करने का निर्णय विभागीय स्तर पर लिया गया है. बता दें कि जांच शिविर के सफल आयोजन को लेकर राज्य स्तर पर गठित पांच सदस्यीय टीम में विशेषज्ञ शामिल हैं. विशेषज्ञ बारी-बारी से सभी शिविरों में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे.

समावेशी शिक्षा को बनाया जा रहा बेहतर- डीईओ

हजारीबाग के डीईओ सह प्रभारी क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक प्रवीण रंजन ने कहा जिले भर में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ इसे बेहतर बनाया जा रहा है. जांच के बाद सभी को सहायक उपकरण मुहैया की जायेगी. शिविर में विद्यार्थियों के अभिभावकों से मिलकर शिक्षा अधिकारी उनकी समस्या को जानने एवं समझने का प्रयास भी करेंगे.

रांची और खूंटी में कांग्रेस का संगठन सृजन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

पंचायत एवं बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का संकल्प

रांची, एजेंसी। संगठन सृजन वर्ष 2025 को लेकर रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी ने आज पुराने विधानसभा सभागार में संगठन सृजन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम 2025 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में रांची ग्रामीण और खूंटी जिला ग्रामीण के प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में रांची जिला ग्रामीण के मंडल अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस बार राज्य से लेकर पंचायत तक पार्टी पदाधिकारियों को कुल लगभग 54 हजार नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं, जो अगले 03 वर्षों तक प्रभावी रहेंगे। इस कार्यक्रम में शामिल हुए सभी प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया गया। अपने संबोधन में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कर्नाटक के बेलगाम में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था, उस अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि 2025 संगठन सृजन कार्यक्रम का कार्य वर्ष होगा। कांग्रेस संगठन सृजन के तहत झारखंड में पिछले 03 महीने से हर जिले में संगठन सृजन का कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब आप लोग यहां से प्रशिक्षण के लिए जाएंगे तो मुझे विश्वास है कि आप सभी रांची ग्रामीण और खूंटी जिले में संगठन सृजन के तहत पार्टी को मजबूत करने में सफल होंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आपको राज्य स्तर या जिला स्तर से जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, आप उसका पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी ही है जो हर वर्ग, हर तबके की लड़ाई लड़ रही है। चाहे बात ओबीसी की हो या आदिवासी समुदाय की। चाहे बात दलित की हो या गरीब सवर्णों की। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी लगातार सदन से लेकर सड़क तक सबके लिए लड़ रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हाल ही में कर्नाटक में ओबीसी कार्यसमिति परिषद की बैठक हुई थी जिसमें मैंने भी भाग लिया था, वहां देशभर से ओबीसी नेताओं ने भाग लिया था और आगामी 25 जुलाई को ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, झारखंड से भी ओबीसी समाज के नेता बड़ी संख्या में न्याय सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचेंगे और इसे सफल बनाने में मदद करेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि संगठन सृजन कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम पंचायत समिति को और अधिक सशक्त और मजबूत बनाना है। आज जिस तरह से भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है, भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है, आपने देखा होगा कि पूरे देश में संविधान बचाओ रैली हुई थी, जिसमें हमने झारखंड के हर जिले में संविधान बचाओ रैली सफलतापूर्वक संपन्न की। धुर्वा के शहीद मैदान में संविधान कार्यक्रम में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष आए थे। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में अगर आम लोगों की समस्याओं को कोई समझता है तो वह सिर्फ कांग्रेस पार्टी है। अगर पूरे देश में कोई बदलाव ला सकता है तो वह राहुल गांधी हैं।

झारखंड सरकार में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि हमें संगठन में ऐसे लोगों को जगह देनी चाहिए जो काम करना चाहते हैं। अगर प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष काम नहीं करते हैं, तो उन्हें हटाकर दूसरों को मौका देना चाहिए। अगर हम संगठन सृजन कार्यक्रम पूरी ईमानदारी से नहीं करेंगे, तो हम पंचायत, गाँव स्तर पर अपने संगठन को मजबूत नहीं कर पाएँगे। हमें राहुल गांधी के दिखाए रास्ते पर चलना होगा। हमें हर गांव, हर पंचायत में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से लोगों को अवगत कराना होगा। हमें ग्राम सभा स्तर पर जाकर सरना धर्म कोड की मांग रखनी होगी। हमें धन कानून के बारे में लोगों को जागरूक करना होगा।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सुभाषितम्

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है। - महर्षि वाल्मीकि

जब हाईकोर्ट का जज सुप्रीम कोर्ट से न्याय मांगे

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में शायद यह पहला अवसर है। जब एक हाईकोर्ट के न्यायाधीश, जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट और न्याय की कार्यप्रणाली को असंवैधानिक बता दिया है। वह शीर्ष अदालत से न्याय मांगने पहुंचे हैं। यह मामला जितना कानूनी है, उतना ही संस्थागत, नैतिक और संवैधानिक संकट को भी दशार्ता है। संविधान प्रदत न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र की विश्वसनीयता और मूल सिंद्धान्त पर भी एक प्रश्न चिन्ह है। जस्टिस वर्मा के दिल्ली आवास पर ह्यजली हुई नकदीह्ल कांड के बाद गंभीर सवाल खड़े है। सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस कमेटी की जांच में उनके खिलाफ ठोस आरोप सामने आए। उनके आवास से नकदी मिलना, असामान्य व्यवहार, सबूतों को लेकर सवाल और जांच में जस्टिस वर्मा का सहयोग नही करने का उल्लेख है। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने उन्हें जज के पद से हटाने की सिफारिश की थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने वर्मा को इस्तीफा देने का मौका दिया था। वर्मा ने पेशकश नहीं मानी उन्होंने अंतिम दांव चलते हुए खुद सुप्रीम कोर्ट में इन हाउस जांच प्रक्रिया को असंवैधानिक घोषित करने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में पेश की है। एक हाईकोर्ट जज ही न्यायपालिका की प्रक्रिया पर भरोसा नहीं कर रहा है। फिर आम आदमी न्यायपालिका से क्या उम्मीद करे? वर्मा का कहना है, संसद के अनुच्छेद 124 और 218 के अंतर्गत ही न्यायाधीशों को पद से हटाने की शक्ति निहित है। सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस जांच असंवैधानिक है। उन्होंने न्याय प्रक्रिया के मूल सिद्धांत, प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन करने का आरोप जांच करने वाले न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश पर लगाया है। सवाल यह है, क्या यह एक दोषी व्यक्ति के बचाव की रणनीति है, या वाकई संवैधानिक बहस की जरूरत? क्या जस्टिस वर्मा के खिलाफ कोई साजिश रची गई है। उस साजिश के तहत यह सब किया जा रहा है। यदि वर्मा दोषी हैं, तो उन्हें कठोरतम सजा मिलनी ही चाहिए। यदि न्यायपालिका की प्रक्रिया में खामियां हैं, तो उनमे बहस और सुधार जरूरी है। बर्मा ने अपनी याचिका में जिस तरह के तथ्य रखे हैं। अपराध की जिस तरह से जांच होनी चाहिए। उन नियमों का पालन उनके आरोपों पर नहीं किया गया है। यह भी स्पष्ट रूप से याचिका मे प्रदर्शित हो रहा है। यह मामला सिर्फ वर्मा बनाम सुप्रीम कोर्ट का नहीं है। न्यायपालिका की आंतरिक पारदर्शिता, संविधान के प्रति जवाबदेही तथा नागरिक के मौलिक अधिकारों से संबंधित है। संविधान सम्मत न्यायपालिका विधायका और कार्यपालिका की भी अग्निपरीक्षा है। देश देख रहा है, क्या सुप्रीम कोर्ट न्यायपालिका को निष्पक्ष न्याय का प्रतीक बनाकर रख पायेगा। या न्यायपालिका की साख को संस्थागत घेरे में चुप्पी साध कर इस मामले को रफा दफा करने का प्रयास करेगा। पिछले एक दशक में न्यायपालिका जिस दबाव में कार्य कर रही है। न्यायपालिका की कार्यवाही सुझाव और फैसला भी आए दिन चचाओं में बने रहते हैं। पिछले एक दशक में सरकार के प्रति न्यायपालिका का झुकाव यह साबित करता है। न्यायपालिका के ऊपर वह भरोसा आम आदमियों को नहीं रहा, जो न्यायपालिका को लेकर 2014 के पहले था। सरकार भी जब बार-बार यह कहती है, सरकार से सहमत नहीं हो तो कोर्ट चले जाओ। पिछले एक दशक में जिस तरह की कार्यवाही न्यायपालिका की होनी चाहिए थी। वह नहीं हुई। न्यायपालिका से सरकार को समय-समय पर संरक्षण मिलता रहा है। जस्टिस लोया जैसे मामले में भी न्यायपालिका ने जिस तरह से फैसला किया। उसके बाद यह माना जाने लगा न्यायपालिका के ऊपर यह सरकार का दबाव है। पिछले एक दशक में कॉलेजियम की अनुशंसाओं पर सरकार ने जिस तरह का पलीता लगाया है। वह भी जग जाहिर है।

चिंतन-मनन

पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

- ललित गर्ग

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि ह्यसुशासन बाबूह्ल के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के ह्यजंगलराजह्ल की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है ह्ल हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुई हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा ह्यजंगलराजह्ल के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए, न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और ह्यबदहाल कानून-व्यवस्थाह्ल को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

आरजेडी-कांग्रेस भाजपा और नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं कि जिनके शासन में कभी सुशासन की मिसाल दी जाती थी, अब वही शासन अपराधियों के आगे बेबस नजर आ रहा है। बिहार के लिए यह समय आत्मचिंतन का है। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस-प्रशासन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे और राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त करे। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज किया जाए ताकि अपराधियों को जल्द सजा मिले। बिहार इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। अन्यथा एक ओर पुराना भयावह जंगलराज लौटने की आशंका है, दूसरी ओर एक सक्षम, उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता। यदि वर्तमान सरकार इस संदेश को नहीं समझती, तो आगामी विधानसभा चुनाव बिहार की राजनीति का नया अध्याय लिख सकते हैं, जिसमें सुशासन नहीं, जनाक्रोश निर्णायक भूमिका निभाएगा। जनता के लिए भी यह चुनाव एक अवसर है कि वे विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करें, न कि जाति या चहेते दल के नाम पर।

सावन मास का आध्यात्मिक महत्व

- पूनम चतुवेर्दी शुक्ला

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक ऋतु, माह, दिन और क्षण का एक विशिष्ट धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसी क्रम में ह्यसावन मासह्ल—जो कि वर्षा ऋतु के मध्य में आता है—एक ऐसा पवित्र कालखंड है जो पूर्णतः भगवान शिव को समर्पित होता है। सावन मास में वातावरण का नैसर्गिक सौंदर्य, वर्षा की शीतलता, धरती की हरियाली, मनुष्य के भीतर भक्ति की ऊर्जा को जाग्रत करती है। भारतीय पंचांग के अनुसार यह महीना चातुर्मास का आरंभिक काल होता है, जिसे धर्म और तपस्या का काल कहा जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, नेपाल और शिवभक्तों के लिए सावन मास अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इसी समय भगवान शिव की आराधना की जाती है और कांवड़ यात्रा जैसी श्रद्धा से परिपूर्ण परंपराएं आरंभ होती हैं।

सावन मास का धार्मिक महत्व : हिंदू धर्म में सावन मास को ह्यश्रावण मासह्ल के रूप में जाना जाता है और यह मास पूर्णतः शिव भक्ति के लिए आरक्षित माना जाता है। पुराणों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान जब हलाहल विष निकला था, तब संपूर्ण ब्रह्मांड को उसकी ज्वाला से बचाने हेतु भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण किया और नीलकंठ कहलाए। सावन मास में इसी घटना का स्मरण करते हुए भगवान शिव को जलाभिषेक किया जाता है ताकि उनकी तपन को शीतलता मिल सके। यह जलाभिषेक भक्तों द्वारा गंगाजल, दूध, शहद और अन्य पवित्र द्रव्यों से किया जाता है। इस मास में सोमवार का विशेष महत्व होता है जिसे ह्यश्रावण सोमवरह्ल कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि सावन के सोमवार को विधिपूर्वक उपवास रखकर शिवजी की पूजा-अर्चना करने से इच्छित फल की प्राप्ति होती है। स्त्रियां सौभाग्य की प्राप्ति और सुयोग्य वर की कामना से यह व्रत करती हैं, जबकि पुरुष भी आरोग्य, समृद्धि और आत्मिक शुद्धि के लिए इस व्रत को रखते हैं।

शिवतत्त्व की दार्शनिक व्याख्या : भगवान शिव केवल एक देवता नहीं बल्कि एक तत्त्व हैं—वह ब्रह्मांड के अद्वैत सिद्धांत के जीवंत प्रतीक हैं। वे संहारक हैं, परंतु उसी संहार में नवसृजन की संभावना छिपी होती है। वे योग के आदि स्रोत हैं—आदि योगी, आदि गुरु। शिव की उपस्थिति ध्यान, मौन और आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया में होती है। शिव का हर स्वरूप, हर प्रतीक एक गूढ़ दार्शनिक भाव लिए हुए है।

त्रिशूल उनके तीन गुणों—सत्व, रज और तम—पर नियंत्रण का प्रतीक है। डमरू (ऊॅं४) से सृष्टि की ध्वनि—ह्यनादह्ल उत्पन्न होती है, जिससे सृष्टि के बीज मंत्र निकलते हैं। जटाजूट से बहती गंगा जीवन और पवित्रता का संकेत देती है। वृषभ (नंदी) उनके वाहन रूप में धर्म, संयम और सेवा का प्रतीक है। श्मशान में निवास करने वाले शिव इस बात का बोध कराते हैं कि जीवन और मृत्यु का भेद कृत्रिम है—परम सत्य केवल आत्मा है जो अमर है।

सावन और शिवभक्ति की मनोवैज्ञानिक अनुभूति : सावन का महीना केवल पूजा का समय नहीं होता, यह आत्मान्वेषण, शुद्धिकरण और ध्यान का उपयुक्त काल होता है। वर्षा के शीतल जल की तरह यह महीना मन को भी शीतलता प्रदान करता है। जल की बूँदों की तरह शिव की कृपा भी भक्तों पर बरसती है। भौतिक जगत की कोलाहल से अलग होकर जब व्यक्ति शिव के ध्यान में लीन होता है, तब उसे परम शांति का अनुभव होता है। शिव को अर्धनारीश्वर रूप में भी पूजा जाता है, जो जीवन के संतुलन का प्रतीक है—पुरुष और स्त्री, शक्ति और शिव, संकल्प और क्रिया—सभी का एकत्व। सावन मास में प्रकृति भी इसी संतुलन की झलक देती है—धरती की प्यास बुझती है, आकाश नाचता है, पेड़ हरे-भरे होते हैं और जीव-जंतु उल्लासित होते हैं। यह सब शिव की जटाओं से बहती कृपा के ही रूप हैं।

श्रद्धा का पर्व : कांवड़ यात्रा : सावन मास में ह्यकांवड़ यात्राह्ल एक विशेष धार्मिक अनुष्ठान होता है जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगोत्री, हरिद्वार, गढ़मुक्तेश्वर, देवघर आदि से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करके शिवलिंगों पर जल चढ़ाते हैं। ये भक्त कांवड़िए कहलाते हैं और पूरे अनुशासन, ब्रह्मचर्य और नियमों का पालन करते हुए यह यात्रा करते हैं। यह यात्रा न केवल एक धार्मिक आयोजन होती है बल्कि संयम, श्रद्धा और समर्पण का ऐसा उदाहरण होती है जो भारत की आध्यात्मिक चेतना को प्रमाणित करती है।

शिवपुराण में सावन का उल्लेख : ह्यशिव महापुराणह्ल में सावन मास की महिमा अत्यंत भावपूर्ण रूप से वर्णित है। इसमें कहा गया है कि इस मास में एक बार ह्यओम् नमः शिवायह्ल का जप करने से सहस्त्र बार जपने के समान फल प्राप्त होता है। इस मास में बिल्वपत्र, धतूरा, आक, गंगा जल और भस्म से की गई पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। शिवपुराण के अनुसार श्रावण मास में शिव का पूजन करने वाला जीव इस जीवन में भी सुख प्राप्त करता है और मृत्यु के बाद शिवलोक को प्राप्त करता है।

लोक-संस्कृति और सावन : सावन केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह भारतीय लोक-संस्कृति का भी एक उल्लासमयी पर्व है। विशेष रूप से महिलाएं इस महीने को बहुत उल्लास से मनाती हैं। झूले पड़ते हैं, सावन के गीत गूंजते हैं—ह्लकजरीह्ल, ह्लझूलाह्ल, ह्लसोहरह्ल जैसी लोक विधाओं में शिव-पार्वती का वर्णन होता है। स्त्रियां हरी चूड़ियां पहनती हैं, हाथों में मेहंदी लगाती हैं और सौंदर्य के प्रतीकों के माध्यम से शिव-पार्वती के सौभाग्य की कामना करती हैं। यह मास स्त्री-शक्ति के भी जागरण का समय होता है, जब गौरी के रूप में नारियों की साधना की जाती है।

भक्ति और योग का समन्वय

सावन का महीना योग, ध्यान और तपस्या का सर्वोत्तम काल है। भगवान शिव को योग का अधिपति माना जाता है। ह्यशिव सूत्रह्ल और ह्यविज्ञान भैरव तंत्रह्ल जैसे ग्रंथों में शिव ने ध्यान और योग की विविध विधियों को बताया है, जिनका अभ्यास विशेष रूप से सावन में किया जाता है। इस मास में शरीर और मन का शुद्धिकरण करते हुए उपवास, प्राणायाम और मंत्रजप से व्यक्ति शिव के समीप पहुंच सकता है। महाशिवरात्रि की तरह सावन भी एक रात्रि रूपी अंधकार को चीरकर आत्मा के उजाले की ओर ले जाने वाला अवसर है। भगवान शिव का तपस्वी रूप, उनका वैराग्य, उनका मौन और उनका करुणा से परिपूर्ण स्वरूप, साधक को आत्मा के मूल स्वरूप की याद दिलाता है।

अदालतें कैसे बना रही हैं गोपनीयता सुरक्षा और संविधान के बीच पुल?

—अभिमनोज

हम एक ऐसे दौर में हैं जहाँ हमारा संवाद अब सिर्फ.आवाज नहीं, बल्कि डेटा है. अपराध दीवारों के भीतर नहीं, बल्कि स्क्रीन के पीछे हो रहे हैं. और न्याय अब सिर्फ.अदालत की चारदीवारी तक सीमित नहीं, बल्कि डिजिटल दुनिया के विशाल आकाश में भी ढूँढा जा रहा है. इस तेजी से बदलते परिदृश्य में, भारत की अदालतें सिर्फ.इंसाफ नहीं कर रही हैं; वे हमारे संविधान, आधुनिक तकनीक और मानवाधिकारों के बीच एक नाजुक संतुलन बनाने की अहम भूमिका निभा रही हैं. जुलाई 2025 के शुरूआती पंद्रह दिनों में, भारत की तीन प्रमुख अदालतों से ऐसे प्रामाणिक न्यायिक फैसले सामने आए हैं जो साइबर अपराध, सूचना की गोपनीयता और न्याय की गति जैसे महत्वपूर्ण सवालों से जूझते हैं. ये फैसले न केवल भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और निजता का अधिकार) और अनुच्छेद 22 (निवारक निरुद्धि) की गहन व्याख्या करते हैं, बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (क्ळ अू३, 2000) की धाराओं और भारतीय दंड संहिता (क्ढउ) की आधुनिक तकनीकी व्याख्या को भी सामने लाते हैं. इन फैसलों का सीधा असर आपके डिजिटल जीवन पर भी पड़ेगा. 4152 मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण बात साफ की है. यदि किसी लोकसेवक के खिलाफ भ्रष्टाचार की जाँच हो रही हो और संवाद ही अपराध का माध्यम हो, तो भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 की धारा 5(2) के अंतर्गत की गई फोन कॉल की इंटरसेप्शन (रिकॉर्डिंग) न्यायसंगत, जरूरी और आनुपातिक हो सकती है. यह फैसला जस्टिस के.एस. पुट्टास्वामी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया, (2017) 10 रउउ 1 में दिए गए आनुपातिकता परीक्षण पर आधारित था. अदालत ने यह स्वीकार किया कि याचिकाकर्ता का निजता का अधिकार संरक्षित है, लेकिन जब कोई सरकारी कर्मचारी सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करता है, तब उस निजता को सार्वजनिक जवाबदेही के सामने थोड़ा झुकना पड़ता है. दिल्ली हाईकोर्ट का यह फैसला दिखाता है कि कैसे सार्वजनिक हित में कुछ निजी जानकारी को उजागर करना जरूरी हो सकता है, लेकिन हमेशा एक तय सीमा और समझदारी के साथ. सुप्रीम कोर्ट का फैसलाः जब साइबर अपराधी बन जाते हैं खतरा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा 3(1) के तहत राज्य सरकार ने ऐसे व्यक्तियों को हिरासत में लिया था जो बार-बार डिजिटल ठगी, बैंक धोखाधड़ी और वढकफ्रॉड में शामिल पाए गए थे. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि साइबर अपराध अब सिर्फ.धोखाधड़ी नहीं रहे, वे सामाजिक अस्थिरता और आर्थिक आतंकवाद के औजार बन चुके हैं. इस संदर्भ में, अदालत ने वल्लङ्गल्ल ङ्मा कल्लर्५. अ१५ल्लरी१ं'', (2011) 7 रउउ 745 का भी ज़िक्र किया और कहा कि यदि अपराधी बार-बार अपराध कर रहा हो और उसके खिलाफ पर्याप्त शुरूआती सबूत हों, तो निवारक निरुद्धि संविधान की मूल भावना के खिलाफ नहीं है. यह फैसला एक कड़ा संदेश देता है कि गंभीर साइबर अपराधों से निपटने के लिए सख्त कदम उठाना जरूरी है. आपके लिए इसका अर्थ यह है कि जहाँ एक तरफ आम नागरिकों को साइबर ठगी से ज्यादा सुरक्षा मिलेगी, वहीं दूसरी तरफ बार-बार अपराध करने वाले साइबर अपराधियों के लिए निजता के अधिकार की सीमाएँ निर्धारित होंगी. अब अपराधियों के लिए कानून की पकड़ से बचना मुश्किल होगा.

आज का राशिफल

मेष संतान पक्ष को लेकर मन में कोई समस्या या चिंता बनी हुई थी तो अब उनका समाधान हो सकता है।	**तुला** आज चंद्रमा के होने से आपको अचानक कहीं से बड़ी मात्रा में आर्थिक लाभ हो सकता है।
वृषभ फिजूलखर्ची से दूर रहना होगा। चीजों पर खर्च करने से भविष्य में पैसों की तंगी हो सकती है।	**वृश्चिक** आज आपको आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। लेकिन लाभ से ज्यादा खर्चे बढ़ सकते हैं।
मिथुन अंतर्विरोध की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है। आपके अनुसार काम होने में बाधाएं होगी।	**धनु** कार्यस्थल पर आपकी मुलाकात कुछ अच्छे और गुणी लोगों से हो सकती है।
कर्क समाज में मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर शत्रुओं का मनोबल कम होगा।	**मकर** आज सहयोगियों के साथ किसी बात को लेकर मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।
सिंह मिथुन राशि का गुरु व्यापार के मामले में आपके शुभ निवेश और कीर्ति में बढ़ोतरी करने वाला रहेगा।	**कुंभ** लेकिन व्यापार के कुछ भागीदारों की ओर से परेशानी होने की संभावना भी बनी हुई है।
कन्या आज परिवार के मामले में संतान से जुड़ी कोई चिंता आपको परेशान कर सकती है।	**मीन** अधिकारों में वृद्धि हो सकती है। आसपास के सहयोगियों को थोड़ी ईर्ष्या महसूस हो सकती है।

विशेष

थरूर को हुआ हकीकत का एहसास

कांग्रेस सांसद शशि थरूर को एहसास हो रहा है। उनको ठगा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक तरफा प्रेम जताया था। उससे अभीभूत होकर उन्होंने कांग्रेस पार्टी को काफी कम आंक लिया था। थरूर को लगता था, मोदी जी उन्हें विदेश मंत्री बनाएंगे। सपने दिखाने में मोदी जी का मुकाबला दुनिया में कोई भी नहीं कर सकता है। भाजपा थरूर को राज्यसभा में भेजने के लिए तैयार नहीं है। विदेश मंत्री बनने के लिए लोकसभा से इस्तीफा देना होगा। उसके बाद वह भाजपा की टिकट पर चुनाव जीतेंगे, केरल में थरूर के लिए यह नामुमकिन है। मोदी जी भरोसा नहीं दे रहे हैं, इस्तीफा देने के बाद उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल कर लेंगे। उसके बाद 6 महीने के अंदर राज्यसभा में भेज देंगे। अब थरूर को समझ में आ रहा है। ऊंट कितना ही बड़ा हो जाए,रहता पहाड़ के नीचे ही है। कांग्रेस में भी उनकी स्थिति कमजोर हो गई है। भाजपा में कोई पूछ परख नही हो रही है। शायद इसी को भाग्य कहते हैं।

मानसून सत्र, आर-पार की लड़ाई

21 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के लिए यह सबसे संकट वाला सत्र है। प्रधानमंत्री मोदी को अपनी सत्ता बचाए रखने के लिए विपक्ष से दो-दो हाथ करना पड़ रहा है। वहीं संघ और भाजपा के अंदर से भी उन्हें चुनौतियां मिल रही है। सही-सही कसर ट्रंप दादा और नाटो देश पूरा कर रहे हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1654: पुर्तगाल पर ब्रिटेन का अधिकार हुआ. 1877: तुर्की के साथ युद्ध में रूसी फौजों को हार का सामना करना पड़ा. 1905: ब्रिटेन ने बंगाल के प्रथम विभाजन को मंजूरी दी. 1913: तुर्की ने बुल्गारिया से एड्रियानोयल पुनः छीन लिया. 1945: अमरीकी झंडा बर्लिन पर फहराया गया. 1947: डच सैनिकों ने जावा में इंडोनेशियाई सैनिकों के खिलाफ जवाबी कार्यवाही की. 1951: जार्डन के शाह अब्दुल्ला की हत्या यरुशलम में हुई. 1958: संयुक्त अरब गणराज्य ने जार्डन से संबंध तोड़ दिए. 1968 : फिलीपींस ने मलेशिया से अपने राजदूत को वापस बुला लिया. 1969: अमरीकी अंतरिक्ष यात्री नील ए.आर्मस्ट्रांग ने चांद पर पहला कदम रखा. 1976: अमरीकी अंतरिक्षयान वाइकिंग-1 ग्यारह महीने की यात्रा के बाद मंगल ग्रह पर पहुंचा.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.10 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	07.30 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.42 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	11.53 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.07 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.23 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.29 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.15 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.48 बजे से
राहुकाल		मेष	23.18 बजे से
4.30 से 6.00		वृष	00.58 बजे से
बजे तक		मिथुन	02.57 बजे से

2025 वर्ष का 201 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि दशमी 12.14 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 22.54 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 21.48 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 12.14 बजे तदनन्तर बव 22.57 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 39'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872411
जूलियन दिन 2460876.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 24
विशेष मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

औषधीय फसल स्टीविया आमदनी बढ़ाये

स्टीविया मूलतः

पेरुग्वे का पौधा है परंतु इसकी खेती मुख्यत : कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब तथा राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले में प्रारंभ हो चुकी है। इसके पत्तों का स्वाद मीठा होता है, सूखी हुई पत्तियों में 3 से 20 प्रतिशत स्टीवियोसाइड होता है। यह मधुमेह रोगियों में इन्सुलिन की मात्रा को घटाता है साथ ही त्वचा के कैंसर की दवाई, दंत मंजन बनाने व रक्त चाप कम करके उसे नियंत्रित करता है।

जलवायु एवं मिट्टी

स्टीविया की फसल वर्षा को सहन कर लेती है उचित जल निकास आवश्यक है। मिट्टी रेतीली दोमट जिसका पीएच 6 से 7.5 के मध्य हो उपयुक्त रहती है।

भूमि की तैयारी तथा पौध रोपण

स्टीविया की खेती एक पंचवर्षीय फसल के रुप में की जाती हैं अत: खेत की जुताई दो से तीन बार कर उसमें 3 टन केचुंआ खाद अथवा 6 टन कम्पोस्ट खाद के साथ 120 किग्रा प्रॉम जैविक खाद खेत में मिलानी चाहिए। मिट्टी जनित रोगों तथा दीमक से सुरक्षा के लिए प्रति एकड़ 150 से 200 किग्रा नीम की पिसी हुई खल भी खेत की तैयारी के समय मिला दी जाती है।

नर्सरी में इसकी पौध को कटिंग, बीज अथवा टिश्यू कल्चर से तैयार किया जाता है। कलम से तैयार पौधे अच्छे चलते हैं। स्टीविया का रोपण मेड़ों पर किया जाता है ये 1 से 1.5 फीट ऊंची व 2 फीट चौड़ी रखी जाती है। पौधे से पौधे के मध्य 6 से 9 इंच व कतार से कतार 40 सेमी की दूरी रखते हैं। इस प्रकार एक एकड़ में 30 से 40 हजार पौधे लग जाते हैं। रोपण का उपयुक्त माह जुलाई–अगस्त व मार्च–अप्रैल है।

प्रजातियां

विश्वभर में स्टीविया की लगभग 90 प्रजातियां हैं। वर्तमान में स्थानीय जलवायु में एसआरबी–123 जिसकी वर्ष में 5 कटाई ली जा सकती है तथा एसआरबी–512 (चार कटाई) व एसआरबी 120 प्रमुख हैं।

सिंचाई

इसकी फसल को वर्ष भर निरंतर सिंचाई की आवश्यकता होती हैं। स्प्रिंकलर के उपयोग के अलावा इसकी सिंचाई ड्रिप विधि से अधिक फायदेमंद है।

कटाई व पत्तियों को सुखाना

रोपण के लगभग चार माह के उपरांत भूमि से 15 से 20 सेमी की ऊंचाई तक फसल की कटाई करें। कटाई का कार्य पौधों पर फूल आने से पूर्व करें। आगे की कटाई प्रथम कटाई से 3–3 माह पर करते हैं। कटाई के बाद प्राय: 3 से 4 दिन तक पत्तों को छाया में सुखाया जाता है जिससे ये पूर्णतया नमी रहित हो जाते हैं।

उपज

बहुवर्षीय फसल होने के कारण स्टीविया की उपज में प्रत्येक कटाई के साथ बढ़ोत्तरी होती जाती है। चार कटाईयों से लगभग 2 से 4 टन पत्तियां प्रति हेक्टेयर उत्पादन होता है। औसतन फसल से वर्ष भर में लगभग 2.5 टन सूखे पत्ते प्राप्त होते हैं।

पैकिंग व शुद्ध लाभ

सूखी हुई पत्तियों को प्लास्टिक के बैगों में सील पैक कर भर दिया जाता है। इसकी खरीद देश की कई प्रमुख कंपनियां कर रही हैं तथा कई इसे पुर्नखरीदी आधार पर प्रोत्साहित भी कर रही हैं। इसकी बिक्री दर 80 से 120 रुपये प्रति किग्रा तक है। लागत को घटाकर एक अनुमान के मुताबिक करीब एक लाख रुपये प्रति हैक्टेयर शुद्ध लाभ बनता है। अच्छी तकनीक से उपजायी गयी सूखी पत्तियों के पाउडर का मूल्य कृषक को दो सौ रुपये प्रति किलो तक मिल सकता है।

खरपतवार नियंत्रण एवं निराई-गुड़ाई

खरपतवार निकालने का कार्य हाथों से ही किया जाना चाहिये तथा इस हेतु रसायनिक खरपतवारनाशी काम में न लें।

पोषक तत्वों की आवश्यकता

फसल की निरंतर वृद्धि के लिए खाद के साथ–साथ प्रत्येक कटाई के बाद 500 किग्रा केचुंआ खाद व 30 किग्रा प्रॉम जैविक पौधों के पास डालना चाहिए। फसल में रसायनिक उर्वरकों एवं टॉनिकों का प्रयोग न करें।

पौध संरक्षण

नियमित अंतरालों पर गोमूत्र अथवा नीम तेल का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल रोगों व कीटों से मुक्त रहती हैं।

सही बकरी ज्यादा मुनाफा

वैज्ञानिक ढंग से बकरी पालन के लिये सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्यादातर बकरियां मांस हेतु पाली जाती हैं अत: ऐसी बकरियां चुननी चाहिए जिनका जन्म के समय शरीर भार अच्छा यानि 3 से 4 किलोग्राम के दरम्यान होना चाहिए क्योंकि ऐसे सुदृढ़ मेमने तेजी से बढ़ते हैं और जल्द ही बाजार में विपणन (बिक्री) हेतु तैयार हो जाते हैं। इसके अलावा उनका शरीर भार वृद्धि दर भी अच्छा होना चाहिये और वो 9 माह की उम्र में कम से कम 25 किलोग्राम तथा 12 माह की उम्र में 30 किलोग्राम तक पहुंच जाना चाहिये। प्रयोगों के आधार पर पाया गया कि दो नस्लों के संकर नस्ल के मेमनों का शरीर भार अच्छा होता हैं तथा उसका शरीर भार वृद्धि दर भी अच्छा होता हैं। अत: देशी नस्ल की अवर्णित बकरियों की अपेक्षा वर्णित नस्ल की शुद्ध नस्ल की बकरियां जैसे मारवाड़ी, कच्छी, जमुनापारी, उस्मानाबादी, संगमनिरी आदि नस्लों की बकरियां या संकर नस्ल की बकरियाँ पालना चाहिए।

कोई भी बकरी चुनाव करने से पहले उसके माता–पिता की वंशावली यानि माता–पिता के बारे में तथा उनके पुर्नउत्पादन/प्रजनन तथा उत्पादन क्षमता के बारे में जानकारी उपलब्ध हैं तो अवश्य देखनी चाहिए। बकरी फार्म पर सभी बकरियों का शरीर भार हर माह नाप–तौलकर उसे अंकित कर रख लेना चाहिए। इससे उनकी बढ़वार, शरीरभार वृद्धि के बारे में सही जानकारी मिल जाती हैं।

एक खास बात यह है कि जिस मादा बकरी से भूतकाल में 3 से 4 मेमने प्राप्त हुए हैं यानि प्रसव उपरांत ज्यादा मेमने पैदा हुए हैं ऐसी बकरी से प्राप्त नर तथा मादा मेमनों का चुनाव करें क्योंकि उनमें उनकी माता में मौजूद ज्यादा मेमने पैदा करने के गुणसूत्र मौजूद होते हैं। ऐसी बकरियां पालने से भविष्य में ज्यादा लाभ अर्जित कर सकते हैं। इन मूलभूत आनुवांशिक बातों के अलावा अनुभव के आधार पर कुछ शारीरिक बाह्यस्वरूपी लक्षण होते हैं उन्हें मद्दे नजर रखते हुए बकरियों का चुनाव करें तो ऐसी बकरियों की बढ़वार, शरीर वृद्धि दर उत्पादन तथा पुर्नउत्पादन क्षमता अच्छी हो सकती हैं तथा उन्हें पालने से अच्छा लाभ कमाया जा सकता हैं।

नर बकरा हष्ट–पुष्ट, ऊंचा बलवान, मजबूत तथा एक समान पैर तथा खुरवाला, उसकी आंखें सजीली चमकदार होनी चाहिए। चमड़ी नर्म मुलायम, चमकदार होनी चाहिए। सींग पूर्ण रूप से विकसित, जननांग पूर्ण रूप से विकसित, बिना किसी विकृति होने चाहिए। उसकी लैंगिक क्षमता, कामेच्छा बढ़िया होनी चाहिए तथा वह फुर्तीला होना चाहिए। उसे कोई भी लैंगिक रोग जैसे बुसेल्लोसिस, ट्राइकोमोनियासिस आदि नहीं होने चाहिए। उसकी उम्र डेढ़ से दो साल होनी चाहिए।

मादा बकरियाँ भी हष्ट्पुष्ट, निरोगी पूर्ण रूप से विकसित, चमकदार बाल तथा आंखें, सजग कान, तिकोना शरीरधारी, पसलियाँ चौड़ी, जांघे चौड़ी, मजबूत तथा एक समान पैर तथा खुरधारी, मेमनों को अच्छी तरह संभालने वाली, बड़े स्तन तथा अयनधारी और बिना कोई विकृति या किसी लैंगिक रोग से मुक्त होनी चाहिए।

संघटित बकरीफार्म जैसे कुछ निजी फार्म, राज्य सरकारों के अधीन पशुसंवर्धन विभागों के बकरी फार्म, कृषि विज्ञान केंद्र कृषि विश्वविद्यालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के अधीन कार्यरत केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम पोस्ट फराह, जिला–मथुरा उत्तरप्रदेश जैसे कई स्थान हैं जहां से अच्छे नस्ल की बढ़िया बकरियां प्राप्त की जा सकती हैं।

ऐसी अच्छी आदर्श बकरियां वैज्ञानिक ढंग से अच्छा खानपान तथा रखरखाव करने पर ज्यादा मेमने पैदा करती हैं। उनका वृद्धिदर शरीर भार अच्छा तथा ज्यादा होता हैं। उनसे ज्यादा मांस तथा दूध प्राप्त होता है। वे ज्यादा जल्दी बिक्री योग्य हो जाते हैं और इस प्रकार ऐसी बकरियां तथा उनके उत्पादन (दूध, मां, बाल) बेचकर ज्यादा लाभ कमाया जा सकता हैं तथा बकरी पालन व्यवसाय ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता हैं।

पशुओं को कैसे बचाएं खुरपका मुंहपका से

यह रोग विषाणु से होने वाला अत्यंत संक्रामक रोग है। यह रोग फटे खुर वाले पशुओं में होता है। इस रोग को विभिन्न जगहों पर अलग अलग नाम से जाना जाता है। खुसीरा, खुरा, खुरपका इत्यादि। सामान्यतः यह रोग गाय, भैंस, बकरी, भेंड एवं सूकर पशुओं में होता है। इस रोग से काफी संख्या में छोटी उम्र के पशु मर सकते हैं। किंतु व्यस्क पशुओं में इस रोग के कारण मृत्यु दर 5 प्रतिशत अथवा इससे भी कम होती है। यह रोग बहुत तेजी से फैलने वाला रोग है तथा कभी–कभी यह रोग पशुओं से मनुष्यों में भी फैल सकता है।

फैलने के कारण

- रोगी पशु की लार, दूषित चारे, पानी, दूध गोबर एवं पेशाब से
- ग्वालें एवं हवा के माध्यम से, एक से दूसरे पशु में।
- रोग से संक्रमित स्थान से पशु क्रय करके लाने पर।
- रोगी पशु से सीधे सम्पर्क से
- इस रोग के विषाणु रोगी पशु के फैफड़ों के सूख जाने के बाद घास या चारागाह में गिर जाते हैं, जब इस संक्रमित घास को स्वस्थ पशु खाता है, तो स्वस्थ पशु में यह रोग फैल जाता है।

लक्षण

- प्रारंभिक अवस्था में पशु सुस्त होता हैं।
- चारा खाना कम कर देता है।
- दूध देने वाले पशुओं का दूध कम हो जाता है।
- पशु को बहुत तेज बुखार आ जाता है। (106 फारेनहाइट तक)
- एक दो दिन के बाद मुंह तथा पैर में छाले पड़ जाते हैं।
- मुंह में छाले होने से लार टपकने लगती है।
- रोगी पशु लंगडाने लगता है, कभी–कभी घाव में छाले में कीड़े पड़ जाते हैं।
- कभी–कभी पशु के थन पर छाले पड़ जाते हैं जिससे थनैला रोग होने की संभावना बढ़ जाती है।
- छालों के फूटने से घाव भी बन जाते हैं।

उपचार

खुरपका– मुंहपका रोग एक विषाणु जनित रोग है। अत: इस रोग का कोई सीधा उपचार नहीं होता है। एक बार रोग हो जाने पर केवल लक्षणों के आधार पर उपचार किया जाता है। इस रोग में रोगी पशु की प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने से पशु में अन्य रोगों के संक्रमण की संभावना हो सकती है। जिसके बचाव के लिए उपचार किया जाता है।

उपचार के निम्न बिन्दु हैं

- रोगी पशु के मुंह तथा पैर के घावों को लाल दवा (पोटेशियम परमेंगनेट) से प्रतिदिन सुबह और शाम सफाई करें।
- पैर के घावों में यदि कीड़े पड़ गये हैं, तो फिनायल में मीठा तेल मिलाकर (1:1) उस घोल में सूती कपड़े को भिगोकर घाव में भर दें। जिससे कीड़े बाहर आ जायेंगे। इसके अलावा तारपीन का तेल भी प्रयोग कर सकते हैं।
- रोग की तीव्रता बढ़ने पर पशु चिकित्सक से सम्पर्क करें।

रोकथाम

विषाणु जनित रोग होने से इस रोग का उपचार संभव नहीं है अत: हमें ज्यादा इस रोग की रोकथाम पर ध्यान देना चाहिए। जिससे कि यह रोग रोगी पशु से स्वस्थ में न फैले। रोग की रोकथाम निम्नानुसार करें।

- रोगी पशु को अन्य स्वस्थ पशु से अलग रखे।
- रोगी पशु को नदी, तालाब, पोखर आदि में पानी पीने नहीं दें, रोगी पशु की खान–पान की व्यवस्था अलग करें।
- बीमार पशुओं का इलाज करायें एवं स्वस्थ पशुओं को टीकाकरण करायें।
- रोगी पशुओं के बाड़ें में पशुपालक अलग कपड़ों व जूतों का प्रयोग करें एवं बाहर आने पर हाथ–पैर धोकर कपड़े व जूते बदल लें।
- मृत पशुओं के शव को गहरा गड्ढा खोदकर उसमें नमक व चूना डालकर दफनाना चाहिए अथवा जला दें।
- निकट के पशु चिकित्सक को रोग की सूचना दें।
- इस रोग के बचाव के लिए टीकाकरण अवश्य कराए, खुरपका मुह पका रोग का टीका साल में दो बार मई–जून तथा अक्टूबर–नवम्बर में लगवायें।

कॉर्पोरेट जॉब छोड़ खेती में कमाल कर रही एमबीए पास छोरी

नईदिल्ली, एजेंसी। आज के समय खेती एक जबरदस्त प्रॉफिट वाला बिजनस बनता जा रहा है। काफी लोग अपनी मोटी सैलरी वाली कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर खेती कर रहे हैं और जॉब से ज्यादा कमा रहे हैं। इन्हीं में एक नाम छत्तीसगढ़ की स्मृति चंद्राकर का भी शामिल है। स्मृति ने अपनी कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर पारिवारिक खेती शुरू की। आज उनका टर्नओवर डेढ़ करोड़ रुपये का है। साथ ही वह अपने खेतों में 125 लोगों को रोजगार

भी दे रही हैं। स्मृति कहती हैं, %कौन कहता है कि खेती में फायदा नहीं होता? लोग सोचते हैं कि ये छोटा काम है और इसमें कमाई नहीं है। लेकिन ये सच नहीं है।% स्मृति छत्तीसगढ़ के एक गांव में एक किसान परिवार में पली-बढ़ी। उनका बचपन अपने पिता और दादा के साथ हरे-भरे धान के खेतों में बीता, जहां उन्होंने जीवन और खेती के बारे में अपने पहले सबक सीखे।

5 साल तक की कॉर्पोरेट नौकरी- स्मृति ने रायपुर में कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद वह पुणे चली गईं और वहां से एमबीए किया। एमबीए करने के बाद उन्होंने पुणे में पांच साल तक एक कंपनी में जॉब की। बाद में उन्होंने अपने परिवार के करीब रहने के लिए रायपुर जाने का फैसला किया।

सर्ज प्राइसिंग के चक्कर में वसूल रहा था अनाप-शनाप किराया

हैदराबाद एजेंसी। आप महानगर या बड़े शहरों में रहते हैं और बाइक टैक्सी का इस्तेमाल करते हैं तो इस घटना से आप भी दो-चार हुए होंगे। आपसे कभी बेस फेयर के नाम पर तो कभी सर्ज प्राइसिंग के नाम पर अनाप-शनाप किराया वसूला जाता होगा। हैदराबाद के एक 27 साल के आदमी ने ऐसा

ही कुछ झेला था, लेकिन उसने कोर्ट का रूख किया और बाइक टैक्सी कंपनी के खिलाफ कानूनी लड़ाई जीत ली। डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन- ने कंपनी को गलत तरीके से व्यापार करने का दोषी पाया। कंपनी एक ही दूरी के लिए अलग-अलग किराया ले रही थी।

कौन है मुकदमा जीतने वाला- उपभोक्ता फोरम में यह मामला के. राजेश ने दायर किया था। वह शहर में आने-जाने के लिए अक्सर बाइक टैक्सी का इस्तेमाल करते हैं। राजेश ने कंपनी के ऐप में एक अजीब चीज देखी। बीते 20 जून को, उन्होंने नल्लाकुंटा से हिमायतनगर के लिए एक राइड बुक की। यह दूरी 2.14 किलोमीटर थी और उनसे 32 रुपये लिए गए। लेकिन, 4 जुलाई को, उन्होंने सिर्फ 300 मीटर की दूरी के लिए राइड बुक की और उनसे फिर से 32 रुपये लिए गए।

उपभोक्ता फोरम में वाद दायर किया- बाइक टैक्सी की इस तरह की किराया नीति के खिलाफ राजेश ने डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन- , जिसे आम भाषा में उपभोक्ता फोरम कहते हैं, में वाद दायर किया।

क्रिप्टो मार्केट ने पहली बार छुआ चार ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा

ट्रंप सरकार की नीतियों से मिली रफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टो सेक्टर का बाजार मूल्य शुक्रवार को लगभग चार ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। क्रिप्टोकरेंसी डेटा एग्रीगेटर कोइनगेको के जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। यह आंकड़ा क्रिप्टो सेक्टर के लिए एक मिल का पत्थर है। प्रमुख बाजारों में नियामकीय स्पष्टता, निवेशकों के विश्वास में बढ़ोतरी और संस्थागत निवेश के मजबूत प्रवाह ने इस उद्योग को नई बुलंदियों पर पहुंचा दिया है।

अमेरिका ला रहा क्रिप्टो के लिए नियम- अमेरिकी हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव ने गुरुवार को अमेरिकी डॉलर से जुड़ी क्रिप्टोकरेंसी टोकन के लिए एक नियामक ढांचा बनाने के लिए विधेयक पारित किया। इस क्रिप्टोकरेंसी को स्टेबलकॉइन के रूप में जाना जाता है। फिलहाल विधेयक को राष्ट्रपति ट्रंप के पास भेज दिया गया है। इस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद यह कानून बन जाएगा। हार्ग्रेव्य लैंसडाउन के इक्विटी रिसर्च प्रमुख डेरेन नाथन ने कहा कि ट्रंप की नीति आने के बाद क्रिप्टो इंडस्ट्री को लेकर नजरिया पूरी तरह से बदल गया है, लेकिन इसके बावजूद सांसद अब भी कुछ हद तक सतर्कता बरत रहे हैं।

बिटकॉइन में आई थी 1.8 प्रतिशत की गिरावट

यह क्षेत्र पिछली बार 3.92 ट्रिलियन डॉलर के संयुक्त बाजार मूल्य पर कारोबार कर रहा था, क्योंकि बिटकॉइन, जो दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी है, वह 1.8 प्रतिशत गिर गई थी। दूसरा सबसे बड़ा क्रिप्टो टोकन, ईथर, पिछली बार 4.5 प्रतिशत बढ़ा था। पिछले तीन महीनों में यह दोगुने से भी ज्यादा बढ़ गया है।

बिटकॉइन ने इस हफ्ते छुआ रिकॉर्ड स्तर

बिटकॉइन ने इस हफ्ते की शुरुआत में 120,000 डॉलर का आंकड़ा पार कर एक रिकॉर्ड बनाया। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन का अनुमान है कि 2025 के अंत तक यह 200,000 डॉलर तक पहुंच सकता है। क्रिप्टो एक्सचेंज के शेयरों में अंतिम बार 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं खुदरा व्यापार मंच, जो क्रिप्टो ट्रेडों का भी समर्थन करता है, उसमें 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

15851 करोड़ रुपये की फर्जी आईटीसी धोखाधड़ी का खुलासा, पकड़ी गईं 3558 फर्जी कंपनियां

नईदिल्ली, एजेंसी। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान 15,851 करोड़ रुपये की फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 29 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस अवधि में फर्जी कंपनियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस तिमाही में केंद्रीय और राज्य जीएसटी अधिकारियों ने कुल 3,558 फर्जी कंपनियों का पता लगाया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यह संख्या 3,840 थी। अधिकारियों ने बताया कि हर महीने औसतन 1,200 फर्जी कंपनियों का भंडाफोड़ किया गया। यह गिरावट संकेत देती है कि फर्जी पंजीकरण के खिलाफ चलाया गया अभियान असरदार साबित हो रहा है। इस तिमाही में की गई कार्रवाई के दौरान 53 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 659 करोड़ रुपये की वसूली भी की गई। वहीं, पिछले साल की समान तिमाही में 26 गिरफ्तारियां हुई थीं और 549 करोड़ रुपये की बरामदगी हुई थी।

ऐसे हुई करोड़ों की धोखाधड़ी- जीएसटी व्यवस्था के तहत, कंपनियां अपने आपूर्तिकर्ताओं से खरीद पर चुकाए गए टैक्स को आईटीसी के रूप में क्लेम कर सकती हैं। लेकिन फर्जी कंपनियां सिर्फ इस टैक्स क्रेडिट का फायदा उठाने के लिए बनाई जाती हैं, जिससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान होता है।

मखाना टॉप सुपरफूड के रूप में उभरा, बदलती पसंदों से फूड इंडस्ट्री के लिए नए अवसर

नईदिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच भारतीय सुपरफूड मखाना ने उपभोक्ताओं के बीच खास जगह बना ली है। फार्मली की %हेल्दी स्नैकिंग रिपोर्ट 2025% के अनुसार 65 प्रतिशत उपभोक्ता प्रतिभागियों ने मखाने को अपनी पहली पसंद बताया है।

55 प्रतिशत उपभोक्ताओं को प्रिजर्वेटिव-मुक्त विकल्पों की तलाश- रिपोर्ट में हेल्थी स्नैक्स की ओर मजबूत बदलाव की भी चर्चा की गई है। 55 प्रतिशत से ज्यादा उपभोक्ता अब सक्रिय रूप से प्रिजर्वेटिव-मुक्त विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा, आधे से ज्यादा लगभग 52 प्रतिशत ऐसे स्नैक्स को प्राथमिकता देते हैं, जो दोबारा सील होने वाली, पर्यावरण- अनुकूल पैकेजिंग में आते हैं। यह पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

स्वादयुक्त सूखे मेवे का चलन- सर्वेक्षण के अनुसार उपभोक्ताओं के बीच सुविधा एक प्रमुख कारक बनी हुई है। लगभग 45 प्रतिशत अपभोक्ता बार और सूखे मेवे आधारित मिठाइयों जैसे चलते-फिरते नाशते को पसंद करते हैं। नमकीन विक्लपों में मखाना और स्वादयुक्त सूखे मेवे स्पष्ट रूप से पसंदीदा हैं। इससे बाजार में स्वस्थ नाश्ते के विकल्पों की एक नई लहर चल पड़ी है।

इन रुझानों से यह संकेत मिलता है कि उपभोक्ता अब सेहत पर केंद्रित,

टिकाऊ और सुविधाजनक स्नैक विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बदलाव उन ब्रांडों के लिए बड़े अवसर लेकर आ रहा है, जो बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुसार अपने उत्पाद पेश कर रहे हैं।

सुपर-स्नैक में परिवर्तन- रिपोर्ट के अनुसार, मखाना और स्वादयुक्त सूखे मेवे पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरे हैं। 36 प्रतिशत उपभोक्ता उत्तरदाताओं ने भुने हुए और स्वादयुक्त सूखे मेवों को सबसे पसंदीदा नमकीन नाश्ते के रूप में पसंद किया। वहीं 19 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने विशेष रूप से मखाना को चुना, जो आधुनिक समय के सुपर-स्नैक में इस परिवर्तन को दर्शाता है।

मखाना बोर्ड का गठन- यह बढ़ती लोकप्रियता भारत सरकार द्वारा बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की हाल की घोषणा के अनुरूप है। निर्मला सीतारमण ने बजट 2025-26 में मखाना बोर्ड का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य राज्य के प्रमुख मखाना उद्योग को बढ़ावा देना है।

चिप्स और वेफर्स की लोकप्रियता बरकरार- हालांकि नए प्रारूप लोकप्रिय हो रहे हैं, लेकिन चिप्स और वेफर्स जैसे पारंपरिक विकल्प अभी भी बरकरार हैं। 14 प्रतिशत लोग इन्हें चुनते हैं, इसके बाद 10 प्रतिशत नमकीन और 9 प्रतिशत लोग खाखरा जैसे मल्टीग्रेन स्नैक्स चुनते हैं। मीठे स्नैक्स भी विकसित हो रहे हैं, जबकि चॉकलेट भारत में हमेशा से पसंदीदा रहा है,। मूंगफली का मक्खन, हेजलनट और पिस्ता जैसे मेवे अब स्वाद और स्वास्थ्य के मिश्रण के कारण पसंद किए जा रहे हैं।

ब्रांड लॉयल्टी, जो पहले पारंपरिक बड़ी कंपनियों तक सीमित थी, अब कई प्लेटफॉर्म्स पर फैल रही है। जहां एक ओर ऑफलाइन स्टोर अब भी योजनाबद्ध खरीदारी और खोज का प्रमुख जरिया बने हुए हैं, वहीं क्विक कॉमर्स और इन्फ्लुएंसर-चालित कंटेंट की बदौलत अचानक स्नैकिंग की आदतों में तेजी आई है।

भारतीय चाय की मांग दुनिया में बढ़ी, एफवाय25 में 26 करोड़ किलोग्राम का हुआ निर्यात

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के चाय निर्यात में वृद्धि दर्ज हुई है। चार्य बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में भारत से चाय निर्यात पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 2.85 प्रतिशत बढ़ा। देश का चाय निर्यात 250.73 मिलियन किलोग्राम से बढ़कर 257.88 मिलियन किलोग्राम (लगभग 26 करोड़ किलोग्राम) हो गया है।

चाय निर्यात का मूल्य 290.97 रुपये पहुंचा- वहीं प्रति किलोग्राम चाय निर्यात का मूल्य बढ़कर 290.97 रुपये हो गया। यह वित्त वर्ष 2024 के 258.30 रुपये से 12.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

चाय निर्यात में लगातार हो रही वृद्धि- कैलेंडर वर्ष जनवरी से दिसंबर 2024 के दौरान, चाय निर्यात की मात्रा 256.17 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गई। यह जनवरी से दिसंबर 2023 की पिछली अवधि से 10.57 प्रतिशत की वृद्धि है। बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 10.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 155.49 मिलियन किलोग्राम रहा। वहीं दक्षिण भारत से यह 11.02 प्रतिशत के साथ 100.68 मिलियन किलोग्राम रहा।

उत्तर भारत से निर्यात में हुई 8.15 प्रतिशत की वृद्धि

वित्त वर्ष 2025 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात की मात्रा 161.20 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गई। यह वित्त वर्ष 2024 के 149.05 मिलियन किलोग्राम से 8.15 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसी प्रकार, दक्षिण भारत से निर्यात 2025 में 4.92 प्रतिशत घटकर 96.68 मिलियन किलोग्राम रह गया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में 101.68 मिलियन किलोग्राम था।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 40 अरब डॉलर पार, जानें अश्विनी वैष्णव हैदराबाद में और क्या बोले

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 40 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। इसमें पिछले 11 वर्षों के दौरान आठ गुना वृद्धि हुई है। वहीं, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में छह गुना वृद्धि हुई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यह बात कही।

आईआईटी हैदराबाद के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए वैष्णव ने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की तीव्र प्रगति पर भी जोर दिया, जिसके अगस्त या सितंबर 2027 तक चालू होने की उम्मीद है। भविष्य की ओर देखते हुए, वैष्णव ने कहा कि पहली मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप, व्यावसायिक स्तर पर, इसी वर्ष बन जाएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया के शीर्ष पांच सेमीकंडक्टर देशों में से एक बनने की राह पर है, और उन्होंने सेमीकंडक्टर के लिए आवश्यक पूंजीगत उपकरणों और सामग्रियों पर बढ़ते ध्यान पर भी चर्चा की।

केंद्रीय रेल, सूचना व प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, महज 11 वर्षों में, हमने अपने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को छह गुना बढ़ा दिया है। यह दोहरे अंकों की ष्ट्रत्रक्रदर है जिससे कोई भी कॉर्पोरेट ईर्ष्या करेगा। हमने अपने निर्यात को आठ गुना बढ़ाया है, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 40 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात को पार कर लिया है, जो विकास

की एक अभूतपूर्व गति है, जो हमारे जैसे बहुत कम देशों ने देखी है।

उन्होंने इस वृद्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को दिया और कहा कि केवल साढ़े तीन वर्षों में, भारत एक संपूर्ण 4त्र दूरसंचार स्टैक डिजाइन कर सका। आज, यह लगभग 90,000 दूरसंचार टावरों पर स्थापित है, जो दुनिया के कई देशों के नेटवर्क से भी ज्यादा है।

आईटी मंत्री ने कहा कि दूरसंचार पहल के हिस्से के रूप में, सरकार ने 100 5जी प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं, जहां छात्र 5जी उपकरणों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उन्हें वास्तविक दुनिया के उपयोग के मामलों पर काम करने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने भारत की विकास गाथा और अगली पीढ़ी के लिए आधार के पांच उदाहरण दिए- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, एआई, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार क्षेत्र और रेलवे।

उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए केंद्र ने लगभग 270 कॉलेजों और संस्थानों को कैडेंस, सिनोप्सिस और सीमेंस के नवीनतम ईडीए उपकरण दिए हैं और यदि स्टार्टअप को जोड़ दिया जाए तो यह संख्या 340 हो जाती है। वैष्णव ने कहा, दुनिया में कहीं भी सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में इतना बड़ा प्रतिभा विकास कार्यक्रम नहीं चलाया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे के पास इस समय वंदे भारत का तीसरा संस्करण पहले से ही मौजूद है, जिसका निर्माण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया जा रहा है।

भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता 1 अक्तूबर से होगा लागू, बोले वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता एक अक्तूबर से लागू होगा। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, भारत को समूह से 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे और पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है।

गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत-ईएफटीए टीईपीए 1 अक्टूबर से प्रभावी होगा। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। समूह ने 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है - समझौते के कार्यान्वयन के बाद 10 वर्षों के भीतर 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा अगले पांच वर्षों में 50

बिलियन अमेरिकी डॉलर- जिससे भारत में 1 मिलियन प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह भारत द्वारा अब तक हस्ताक्षरित किसी भी व्यापार समझौते में सहमत अपनी तरह की पहली प्रतिज्ञा है।

यह प्रतिबद्धता इस समझौते का मुख्य तत्व है, जिसे पूरा होने में लगभग 16 वर्ष लगे, जिसके बदले में भारत ने श्वस्नञ्ज देशों से आने वाले कई उत्पादों के लिए अपने बाजार खोल दिए। इस समूह में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विट्जरलैंड है। शेष तीन देशों के साथ भारत का व्यापार कम है।

इस समझौते में भारत अपनी टैरिफ लाइनों या उत्पाद श्रेणियों का 82.7 प्रतिशत हिस्सा देने की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए निर्यात का 95.3 प्रतिशत है, जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक आयात सोना है। घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद, जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट और घड़ियां, कम कीमत पर उपलब्ध हो जाएंगे, क्योंकि भारत व्यापार समझौते के तहत इन वस्तुओं पर सीमा शुल्क को 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर देगा।

सेवा क्षेत्र में, वाणिज्य मंत्रालय ने पहले कहा था कि भारत ने ईएफटीए को 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जैसे लेखांकन, व्यावसायिक सेवाएं, कंप्यूटर सेवाएं, वितरण और स्वास्थ्य। दूसरी ओर, देश ने स्विट्जरलैंड से 128 उप-क्षेत्रों में, नॉर्वे से 114, लिकटेंस्टीन से 107 और आइसलैंड से 110 उप-क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। जिन क्षेत्रों में भारतीय सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा, उनमें कानूनी, दृश्य-श्रव्य, अनुसंधान एवं विकास, कंप्यूटर, लेखांकन और लेखा परीक्षा शामिल हैं।

2025 की पहली छमाही में भारत में 108 आईपीओ से 4.6 अरब जुटाए गए; सौदों में 30 प्रतिशत गिरावट के बावजूद लचीलापन कायम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग गतिविधियों ने साल 2025 की पहली छमाही में मजबूती दिखाई है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में कुल 108 सौदे हुए, जिनसे 4.6 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई गई। भारतीय आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक निजी कंपनी पहली बार जनता को अपने शेयर बेचती है, जिससे वह सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनी बन जाती है।

रिपोर्ट में बताया गया कि सौदों की संख्या में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 30 प्रतिशत की गिरावट हुई। इसके बावजूद यह बाजार के लचीलेपन को दर्शाता है। हालांकि, फंडरेजिंग में केवल 2 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई है, जो बाजार की स्थिरता को दर्शाता है।

वैश्विक आईपीओ बाजार के आय में हुई उल्लेखनीय वृद्धि- रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में, वैश्विक आईपीओ बाजार ने 539 सौदे दर्ज किए, जिससे 61.4 अरब डॉलर की राशि जुटाई गई,।

वैश्विक अनिशितता और भू-राजनीतिक तनाव का पड़ा असर

श्वङ्क की रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रवृत्ति जारीकर्ताओं और निवेशकों दोनों के अधिक चयनात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती है। इसमें कंपनियां अनुकूल बाजार समय और मूल्यांकन रणनीतियों को प्राथमिकता दे रही हैं। वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के कारण कई प्रमुख कंपनियों ने अपनी लिस्टिंग को स्थगित कर दिया है या मूल्यांकन पर पुनर्विचार किया है।

दूसरी छमाही में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

इसमें कहा गया कि बाजार सहभागियों को 2025 की दूसरी छमाही में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। यह स्थिर बाजार के विकास को मजबूत करने के उद्देश्य से सहायक सरकारी पहलों से प्रेरित होगा। घरेलू आर्थिक सुधार से आईपीओ बाजार में तेजी की संभावना है क्योंकि निवेशक भावना मजबूत हो रही है और बाजार में अस्थिरता कम हो रही है।

मुक्केबाज निशांत देव ने पेशेवर सर्किट में बरकरार रखी लय

अमेरिका के लाकुआन इवांस को दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। निशांत ने अमेरिका के फ्रिस्को में हुए सुपर वेल्टरवेट मुकाबले के छठे दौर में जीत दर्ज की जो पेशेवर सर्किट पर उनकी लगातार तीसरी जीत है। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने पेशेवर सर्किट पर अपना दबदबा बरकरार रखा है और शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के लाकुआन इवांस को तकनीकी नॉकआउट के आधार पर हरा दिया है। 24 साल के निशांत ने अमेरिका के फ्रिस्को में हुए सुपर वेल्टरवेट मुकाबले के छठे दौर में जीत दर्ज की जो पेशेवर सर्किट पर उनकी लगातार तीसरी जीत है।

निशांत ने लगातार घूंसे बरसाए जिसके बाद रैफरी ने एक मिनट 58 सेकेंड के बाद मुकाबला रोक दिया। विश्व चैंपियनशिप 2023 में लाइट मिडिलवेट (71 किलो) में कांस्य पदक जीत चुके निशांत इस साल की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक क्वालिफायर के क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको के मार्को वेर्डे से मामूली अंतर से हारने के बाद पेशेवर सर्किट में उतरे थे।

सचिन तेंदुलकर के साथ अपना नाम ट्रॉफी पर देखता हूं तो बहुत अजीब लगता है : जेम्स एंडरसन

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने स्वीकार किया कि सचिन तेंदुलकर के साथ ट्रॉफी पर अपना नाम देखकर वह अजीब महसूस करते हैं और उन्होंने

यह भी कहा कि दुनिया के महानतम क्रिकेटरों में से एक के साथ अपना नाम होना बहुत बड़ा सम्मान है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला की ट्रॉफी का नाम एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी रखा है।

पहले इसका नाम पटौदी ट्रॉफी था जो भारत के पूर्व कप्तान इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर था। एंडरसन ने कहा, 'यह जरूरी नहीं कि आपके नाम पर ट्रॉफी का होना कितना बड़ा है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि आपके नाम के साथ सचिन तेंदुलकर का नाम है, जो मेरे लिए अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ट्रॉफी पर अपने साथ उनका नाम देखता हूं तो बड़ा अजीब लगता है। मैं उनका काफी सम्मान करता हूं। मैने बचपन से उन्हें देखा है और उनके खिलाफ खेला है। वह इतने महान क्रिकेटर रहे हैं जिन्होंने पूरे देश की उम्मीदों का बोझ अपने पूरे कैरियर में उठाया है। उनके साथ इस तरह का कुछ साझा करना बहुत बड़ा सम्मान है। तेंदुलकर ने 200 और एंडरसन ने 188 टेस्ट खेले हैं। पिछले साल क्रिकेट को अलविदा कहने वाले एंडरसन ने 704 विकेट लिए हैं।

डब्ल्यूसीएल 2025:

इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच मुकाबला रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 (डब्ल्यूसीएल) का बहुप्रतीक्षित मुकाबला रद्द हो गया है। यह मैच रविवार को भारतीय समय के अनुसार रात 9 बजे से एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाना था, लेकिन कुछ खिलाड़ियों ने इस मुकाबले में खेलने से साफ इनकार कर दिया। डब्ल्यूसीएल ने इस मुकाबले को लेकर एक बयान जारी करते हुए लिखा, हम डब्ल्यूसीएल में हमेशा क्रिकेट से प्रेम करते आए हैं। हमारा एकमात्र उद्देश्य खेल प्रेमियों को खुशनुमा और यादगार पल देना रहा है। जब हमें यह पता चला कि इस साल पाकिस्तान की हॉकी टीम भारत आ रही है, और हाल ही में भारत-पाकिस्तान की वॉलीबॉल प्रतियोगिता सहित अन्य खेलों में भी दोनों देशों के बीच मुकाबले हो रहे हैं, तो हमने सोचा कि डब्ल्यूसीएल में भारत और पाकिस्तान का मैच आयोजित करते हुए एक सकारात्मक याद लोगों को दी जा सके, लेकिन हो सकता है कि इसी प्रक्रिया में हम अनजाने में कई लोगों की भावनाएं आहत कर बैठे।

बयान में आगे कहा गया, हमने अनजाने में भारत के उन महान क्रिकेटर्स को असहज कर दिया, जिन्होंने देश को गौरवान्वित किया है। इसीलिए, हमने फैसला लिया है कि भारत और पाकिस्तान के मैच को रद्द किया जाए। क्षमा चाहते हैं कि हमारी किसी भी पहल से किसी की भावनाएं आहत हुईं। आशा है आप हमारी भावना को समझेंगे। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन शनिवार देर रात भारत-पाकिस्तान के मुकाबले से अपना नाम वापस लेने का ऐलान कर चुके थे। शिखर धवन ने एक्स पर एक ई-मेल का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, जो कदम 11 मई को लिया, उस पर आज भी वैसे ही खड़ा हूं। मेरा देश मेरे लिए सब कुछ है, और देश से बढ़कर कुछ नहीं होता। जय हिंद! धवन ने जिस ई-मेल का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, उसमें लिखा है, यह पत्र औपचारिक रूप से इस बात की पुनः पुष्टि और स्मरण हेतु है कि शिखर धवन आगामी डब्ल्यूसीएल लीग में पाकिस्तान टीम के खिलाफ किसी भी मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। यह फैसला 11 मई 2025 को कॉल और व्हाट्सएप पर हमारी चर्चा के दौरान पहले ही बता दिया गया था। भारत और पाकिस्तान के बीच जियोपॉलिटिकल सिचुएशन और व्याप्त तनाव को मद्देनजर रखते हुए, धवन और उनकी टीम ने सोच-समझकर यह फैसला लिया है।

एथलीट मुरली श्रीशंकर ने पुर्तगाल में लंबी कूद का खिताब जीता, 7.75 मीटर की लगाई कूद

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीशंकर ने 7.63 मीटर की कूद के साथ शुरुआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर की कूद लगाई। तीसरी कूद में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला नापा। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर ने पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट मीटिंग माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। श्रीशंकर ने 7.75 मीटर की कूद लगाई और शीर्ष स्थान हासिल किया। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया।

श्रीशंकर-तारकोवस्की ने बराबर फासला नापा – श्रीशंकर ने 7.63 मीटर की कूद के साथ शुरुआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर की कूद लगाई। तीसरी कूद में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला नापा। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7. 69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है। घुटने के ऑपरेशन के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरुआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की है। उनकी नजरें सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई करने पर लगी है जिसके लिए स्वतः क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। वह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे जिसके लिए सरकार ने 5.58 लाख रुपये मंजूर किए हैं।

इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने वनडे फॉर्मेट में रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ शनिवार को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 8 विकेट से जीता। इसी के साथ इंग्लैंड अपने घरेलू मैदान पर सर्वाधिक महिला वनडे मैच जीतने वाला देश बन गया है।

इंग्लैंड ने अपने घरेलू मैदान पर अब तक 182 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 121 मुकाबले में उसने जीत दर्ज की है। इंग्लैंड से पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम के नाम था, जिसने 146 वनडे मुकाबलों में 120 जीते हैं। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम 166 में से 86 मैच जीतकर तीसरे पायदान पर है। भारत ने अपने घर पर 131 में से 81 मैच जीते हैं। भारतीय महिला टीम इस लिस्ट में चौथे पायदान पर है। लॉर्ड्स में खेले गए इस मुकाबले की बात करें, तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारतीय टीम महज 6 के स्कोर पर प्रतिका रावल (3) का विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद स्मृति मंधाना ने 51 गेंदों में 42 रन जड़ते हुए टीम को संभाला। उनकी इस पारी में पांच चौके शामिल थे। मंधाना के अलावा दीप्ति शर्मा ने 34 गेंदों में नाबाद 30 रन की पारी खेली, जबकि हरलीन देओल ने 16 और अरुंधति रेड्डी ने 14 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी टीम की ओर से सोफी एक्लेस्टोन ने

सर्वाधिक तीन शिकार किए। इनके अलावा एम अर्लॉट और लिंसे स्मिथ को दो-दो सफलता हाथ लगी, जबकि चार्ली डीन ने एक विकेट अपने नाम किया। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में भारत ने 29 ओवरों में 8 विकेट गंवाकर 143 रन बनाए। इंग्लैंड को शुरुआत में 29 ओवरों में 144 रन का टारगेट मिला था। मेजबान टीम को एमी जोन्स और टैमी ब्यूमोंट ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 10.2 ओवरों में 54 रन की साझेदारी हुई। टैमी ब्यूमोंट 35 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद एमी जोन्स ने कप्तान नेट साइवर-ब्रंट के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़ते हुए टीम को जीत की दहलीज पर ला दिया। 19वें ओवर के दौरान एक बार फिर बारिश ने दस्तक दी और इंग्लैंड के टारगेट में बदलाव हुआ। इंग्लैंड को जीत के लिए 24 ओवरों में 115 रन का संशोधित लक्ष्य मिला, जिसे इंग्लैंड ने 21 ओवरों में हासिल कर लिया।एमी जोन्स 57 गेंदों में 46 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि कप्तान ब्रंट ने टीम के खाते में 21 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से क्रांति गौड़ और स्नेह राणा को एक-एक सफलता हाथ लगी। भारत और इंग्लैंड की टीमें तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-1 से बराबरी पर हैं। सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला 22 जुलाई को चेस्टर ली स्ट्रीट में खेला जाएगा।

मेजर लीग सॉकर

इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क रेड बुल्स को 5-1 से हराया; मेसी ने दो गोल और दो असिस्ट किए

नई दिल्ली, एजेंसी। मेजर लीग सॉकर के खेले गए मैच में लियोनेल मेसी और तेलास्को सेगोविया की शानदार गोल की बदौलत इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क रेड बुल्स को 5-1 से हराया। इस मैच में मेसी ने दो गोल और दो असिस्ट किए,जबकि सेगोविया ने भी दो गोल दागे। यूयॉक रेड बॉल्स से जीत के बाद इंटर मियामी के खिलाड़ी खुशी मनाते हुए। न्यूयॉक रेड बॉल्स से जीत के बाद इंटर मियामी के खिलाड़ी खुशी मनाते हुए।

मेसी ने MLS में एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया – यह मेसी का पिछले सात मैचों में छठा ऐसा मैच रहा, जिसमें उन्होंने एक से अधिक गोल किए। मेसी ने इस मैच के साथ मेजर लीग सॉकर (म्लस) के इतिहास में एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह दो साल में कम से कम 35 गोल और 25 असिस्ट करने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले यह कारनामा रॉबी कीन (2013-14), सेबेस्टियन जियोविन्को (2015-16), कार्लोस वेला (2018-19) और कुचो हर्नांडेज (2023-24) ने किया था।

पहले हाफ में दोनों टीमों की ओर से हुए गोल

पहले हाफ तक दोनों टीमों की ओर से गोल हुए। मैच के 14वें मिनट में न्यूयॉर्क रेड बुल्स की ओर से अलेक्जेंडर हैक ने गोल कर टीम को 1–0 की बढ़त दिलाई। वहीं, इंटर मियामी ने तीन मिनट के अंदर दो गोल करके बढ़त बना ली। 24वें मिनट में मेसी का शानदार पास जोर्डी एल्बा को मिला, जिससे स्कोर 1–1 से बराबर हुआ। इसके बाद मेसी ने एक और बेहतरीन लॉफ्टेड पास दिया, जिसे सेगोविया ने गोल में बदलकर मियामी को बढ़त दिलाई। सेगोविया ने गोल कर मियामी को 3–1 से बढ़त दिला दी। सेगोविया ने गोल कर मियामी को 3–1 से बढ़त दिला दी।

केएल राहुल 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के कगार पर, चाहिए मात्र इतने रन

मैनचेस्टर (यूके), एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट नजदीक आ रहा है और सभी की नजरें भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल पर होंगी जिन्होंने अब तक इंग्लैंड में अपने करियर को परिभाषित करने वाली श्रृंखला खेली है और 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने से सिर्फ 60 रन दूर हैं। इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे और भारत को सीरीज बराबर करने के लिए चौथा टेस्ट जीतना होगा।

अपने अब तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में केएल ने 218 मैचों की 254 पारियों में 39.73 की औसत से 19 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 8,940 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 है। वे सर्वकालिक सूची में भारत के लिए 16वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी उत्कृष्ट तकनीक, संयम और विविध शॉट्स के बावजूद टेस्ट क्रिकेट आश्चर्यजनक रूप से उनका सबसे कम असफल प्रारूप रहा है, जिसमें उन्होंने 61 मैचों और 107 पारियों में 35.26 की औसत से 3,632 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रहा है। उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और इसके परिणामस्वरूप बल्लेबाजी औसत में ठहराव की भी जांच की जा रही है, यहां तक कि केएल ने भी स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाजी औसत को देखकर उन्हें दुख होता है। वे एकदिवसीय मैचों में कहीं अधिक सफल रहे हैं, जहां उन्होंने 85 मैचों और 79 पारियों में 49.08 की औसत और 88.17 की स्ट्राइक रेट से 3,043 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं।

टी20आई में वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से

2,265 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्द्धशतक शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में एक विनाशकारी टी20 विश्व कप 2022 के बाद से टी20आई नहीं खेला है, क्योंकि भारत में युवा, निडर और कठोर टी20आई विशेषज्ञों की तुलना में उनकी स्कोरिंग दर कई बार पुरानी लगती है। मौजूदा श्रृंखला में केएल ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वह श्रृंखला में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में उन्होंने 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है।

अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बावजूद वह एशिया के बाहर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, क्योंकि उनके दस में से नौ टेस्ट शतक घर से बाहर आए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में आए हैं, जिनमें से एक शतक ऑस्ट्रेलिया में और दो दक्षिण अफ्रीका में हैं।

दो मैच शेष रहते हुए, केएल के पास इस श्रृंखला को सांख्यिकीय रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ टेस्ट शतक बनाने का पूरा मौका है। उनकी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट सीरीज 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज रही है जिसमें उन्होंने चार मैचों और सात पारियों में 65.50 की औसत से 393 रन बनाए हैं जिसमें उनके नाम छह अर्धशतक और 90 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। इस दौरे पर अब तक राहुल ने 670 गेंदों का सामना किया है, जो 1990 के बाद से इंग्लैंड में किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा किसी दौरे पर चौथा सबसे ज़्यादा है। दो और मैच बचे हैं, ऐसे में उनके पास 2021 के दौरे के दौरान 735 गेंदों के अपने ही रिकॉर्ड, रोहित शर्मा द्वारा इसी दौरे में सामना की गई 866 गेंदों और 2014 में मुरली विजय के 1,054 गेंदों के सर्वकालिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का पूरा मौका है।

उम्र का नंबर साबित कर रहे इमरान ताहिर, 40 साल के होने के बाद खेल गए 200 मैच; गेंदबाजी के आंकड़े भी दमदार

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर इमरान ताहिर भले ही इंटरनेशनल क्रिकेटर से दूर हों, लेकिन वह अब भी क्लब क्रिकेट का हिस्सा हैं। उनका क्रिकेट करियर 30 साल का हो गया है। दाएं हाथ के इस लेग स्पिनर ने उम्र को महज नंबर साबित कर दिया। 46 साल के इस खिलाड़ी की कप्तानी में कैरेबियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी गयाना अमेजन वॉरियर्स क ग्लोबल सुपर लीग का खिताब दिलाया।

कप्तान के तौर पर ताहिर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। विकेट लेने के बाद जश्न मनाते हुए मैदान में इधर-उधर दौड़ने के लिए मशहूर इस अनुभवी स्पिनर में आज भी इतनी ही ऊर्जा देखने को मिलती है। उन्होंने रंगपुर राइडर्स के खिलाफ फाइनल में न केवल दो विकेट लिए, बल्कि 5 मैचों में 9.28 के औसत से 14 विकेट लिए। 12 रन देकर 4 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में दो बार चार-चार विकेट लिए।

40 की उम्र के बाद ताहिर ने 200 टी20 मैच खेले –40 साल की उम्र पार करने के बाद ताहिर ने 200 टी20 मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 18.54 के औसत और 6.86 के

इकॉनमी रेट से 266 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/25 है। उन्होंने पांच बार चार विकेट और दो बार पांच विकेट लिए हैं। अपने 40वें जन्मदिन के बाद वह दुनिया भर में टी20 क्रिकेट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 40 वर्ष की आयु के बाद उनका गेंदबाजी औसत और इकॉनमी रेट टी 20 क्रिकेट में उनके पूरे करियर के आंकड़ों से बेहतर है। उनका औसत 19.69 और इकॉनमी रेट 6.96 है। इस प्रारूप में उनके 547 विकेट में से 200 विकेट 40 वर्ष की आयु के बाद आए हैं।

ताहिर के नॉकआउट चरण के आंकड़े काफी मजबूत – 40 साल की उम्र के बाद ताहिर के नॉकआउट चरण के आंकड़े काफी मजबूत हैं। 26 मैचों में 25.57 के औसत से 28 विकेट लिए हैं। इसमें 3/7 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शामिल है। ऐसे में वह मुश्किल मैचों में सबसे भरोसेमंद गेंदबाजों में से एक हैं। 40 साल की उम्र के बाद आठ टी20 टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने 18 के औसत और 6.71 के इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए हैं। इसमें 3/33 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शामिल है।

ताहिर का कारियर खिताब और व्यक्तिगत उपलब्धियों से भरा रहा – 40 साल के होने के बाद ताहिर का कारियर खिताब और व्यक्तिगत उपलब्धियों से भरा रहा है। 2021 में मुल्तान सुल्तांस के ने पाकिस्तान सुपर लीग का खिताब जीता। ताहिर ने अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा 13.07 के औसत से 13 विकेट लिए। गुयाना अमेज़न वारियर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग 2023 का खिताब जीता। वह अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा 15.44 के औसत और 6.22 के इकॉनमी रेट से 18 विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। आईपीएल 2019 में चेन्नई सुपर किंग्स उपविजेता रही थी। ताहिर ने 16.57 के औसत और 6.69 के इकॉनमी रेट से 26 विकेट लेकर पर्पल कैप अपने नाम किया।

मैं काम में स्पष्टता और विजन से समझौता नहीं करती: तनीषा

एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी ने बताया कि वह पहले की तुलना में अब प्रोजेक्ट्स का चुनाव करने में सतर्क हो चुकी हैं। अब वह ऐसे काम करना चाहती हैं, जहां स्पष्टता और नया नजरिया दोनों हों। तनीषा ने करियर में की गई गलतियों को स्वीकार करते हुए कहा कि अब वह केवल उन प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़ना चाहती हैं, जहां स्पष्ट विजन और पैशन दोनों हों। तनीषा ने कहा, एक कलाकार के रूप में हम अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा करते हैं। कभी यह सही होता है, तो कभी गलत। मैंने भी अपने करियर में कई गलतियां की हैं। लेकिन, आत्ममंथन और अनुभव से मैंने सीखा है कि पुरानी गलतियों को दोहराना नहीं चाहिए। पहले मैं लोगों के विजन पर भरोसा कर उनके साथ काम कर लेती थी। लेकिन, कई बार यह भरोसा मुझे भारी पड़ा और मैं निराश हुई। अब मैं समय और एनर्जी केवल उन प्रोजेक्ट्स में लगाना चाहती हूं, जहां पूरी स्पष्टता हो। तनीषा ने कहा, लोगों पर भरोसा करना और उन्हें प्रोत्साहित करना अच्छा है, लेकिन अगर यह आपके काम और विश्वसनीयता की कीमत पर हो, तो यह समझदारी नहीं। अब मैं केवल उन निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूं, जिनके पास स्पष्ट विजन और ज्ञान हो। वे चाहे अनुभवी हों या नए, लेकिन उनका नजरिया स्पष्ट होना चाहिए।

तनीषा का मानना है कि आज के कई नए निर्देशक सिनेमा का गहन अध्ययन करते हैं और पूरी तैयारी के साथ आते हैं। वे कहती हैं, पहली बार फिल्म बनाने वाला निर्देशक भी शानदार काम कर सकता है, बशर्ते उसने अपना होमवर्क अच्छे से किया हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा नई संभावनाओं को तलाशना चाहती हूं और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहती हूं। लेकिन, अब मैं उन लोगों के साथ काम नहीं करूंगी, जो अभी भी 'खोज' रहे हैं। उनके लिए अब दो चीजें ऐसी हैं, जिसे लेकर वह समझौता नहीं कर सकती और वह हैं स्पष्टता और विजन। तनीषा ने कहा, अनुभव से आप समझ जाते हैं कि कौन स्पष्टता के साथ आ रहा है और कौन नहीं। मैं अब उन निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूं, जो पैशन और स्पष्ट नजरिए के साथ प्रोजेक्ट बनाते हैं, न कि सिर्फ फिल्म बनाने के लिए। आजकल लोग दूसरों की नकल करने में लगे हैं, लेकिन मैं कॉपीकैट्स के साथ काम नहीं करना चाहती। मैं उन लोगों के साथ काम करना चाहती हूं, जिनमें पैशन, स्पष्टता और अपना नजरिया हो।

पराग त्यागी ने शेफाली के मस्ती भरे पलों को किया शेयर

बोले- 'वो हर किरदार में बेस्ट थीं'

हाल ही में अभिनेता पराग त्यागी ने अपनी दिवंगत पत्नी और एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का मस्ती वाला वीडियो शेयर किया है।

कांटा लगा फेम एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के निधन से उनके पति और अभिनेता पराग त्यागी काफी टूट चुके हैं। आए दिन सोशल मीडिया पर वो अपनी दिवंगत पत्नी को याद करते हुए भावुक पोस्ट करते रहते हैं। अब पराग त्यागी ने एक और वीडियो शेयर करते हुए उन्हें याद किया है। आइए देखें उन्होंने क्या लिखा।

क्या है पराग त्यागी का पोस्ट?

एक्टर पराग त्यागी ने रविवार के दिन अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट साझा किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि दिवंगत शेफाली जरीवाला अपनी बहन के बच्चों के साथ मस्ती करती दिख रही हैं। इसके साथ ही वो मोबाइल में अलग-अलग फिल्टर लगाकर बच्चों के साथ फोटो लेती नजर आ रही हैं। पराग त्यागी ने इस वीडियो को शेयर करते हुए मासी मां जैसी होती है सॉन्ग भी लगाया है। इस पोस्ट को देख कहा जा सकता है कि एक्ट्रेस अपने जीवन को काफी एंजाय करती थीं।

जिंदगी के सभी किरदारों में बेस्ट रहीं शेफाली

इस पोस्ट को शेयर करते हुए पराग त्यागी ने कैप्शन भी दिया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'परी, इस दुनिया की सबसे अच्छी मासी थीं। आर्या, कियान अपनी चुलबुली मासी के साथ मस्ती कर रहे हैं। वह हमेशा अपने बच्चों से बहुत प्यार करती थीं, परी जिंदगी के हर किरदार में बेस्ट रहीं और हमेशा सभी को बहुत प्यार और खुशियां दीं। परी से प्यार करने वाले सभी प्यारे दोस्तों के साथ उनके खूबसूरत प्यार भरे पलों को संजो रहा हूं।'

शेफाली के निधन ने किया था शॉक

'कांटा लगा गर्ल' शेफाली जरीवाला का 42 वर्ष की उम्र में 27 जून को निधन हो गया था। हालांकि, आपको बताते चलें कि उनकी मौत कैसी हुई, इस मामले की जांच अभी मुंबई पुलिस कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही असली वजह पता चलेगी। कथित तौर पर एक्ट्रेस की मौत कार्डियक अरेस्ट से बताई जा रही है। अभिनेत्री के निधन की खबर से मनोरंजन जगत में शोक की लहर छा गई थी।

'किंग' में राघव जुयाल की एंट्री

जैकी श्रॉफ-शाहरुख खान संग आएंगे नजर

फिल्म इंडस्ट्री के उभरते सितारे और 'स्लो मोशन किंग' राघव जुयाल जल्द ही किंग में नजर आएंगे। शाहरुख खान की मोस्टअवेटेड फिल्म में वो जैकी श्रॉफ के बेटे की भूमिका निभाने जा रहे हैं। इस हाई-वोल्टेज एक्शन थ्रिलर में जैकी श्रॉफ एक खतरनाक खलनायक के किरदार में नजर आएंगे। यह जानकारी करीबी सूत्र ने साझा की है। सूत्र ने बताया, राघव जुयाल फिल्म किंग में हैं और वह जैकी श्रॉफ के बेटे का किरदार निभाएंगे। उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म की अधिकांश शूटिंग पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया, फिल्म का मुख्य हिस्सा शूट हो चुका है। बचे हुए दृश्यों की शूटिंग अक्टूबर में होगी और कुछ हिस्से अगले साल फिल्माए जाएंगे। किंग का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं, जो पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म बना चुके हैं।

एक्ट्रेस ने किया खुलासा

इलाका सीरीज में कैसा होगा अपूर्वा अरोड़ा का किरदार

हिंदी, गुजराती, पंजाबी और कन्नड़ फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा जल्द ही नई वेब सीरीज इलाका में अविवा का किरदार निभाती नजर आएंगी। इलाका सीरीज में अविवा साउथ बॉम्बे की एक अमीर लड़की है। वह एक ऐसे लड़के से प्यार कर बैठती है जो मुंबई के चॉल में रहता है। वह लोगों को उनके परिवार, पैसे या समाज में उनकी स्थिति से नहीं देखती। वह हर किसी को उनकी असली पहचान, उनके दिल और उनके अच्छे गुणों से देखती है। वह प्यार और इंसानियत को सबसे ऊपर रखती है। बात करते हुए अपूर्वा ने कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि अविवा और उसके बॉयफ्रेंड का रिश्ता एक ऐसी उम्मीद की किरण बन जाता है जो प्रेम कहानियों में खुशियों की रोशनी लेकर आता है। उन्होंने बात करते हुए कहा, अविवा बहुत अमीर लड़की है जो साउथ बॉम्बे से है, और वह एक चॉल के लड़के को डेट कर रही है। उसे लोगों के सोशल स्टेटस की परवाह नहीं है, वह लोगों को उनकी असली पहचान से देखती है। उसका दिल बहुत साफ और सच्चा है। इस सीरीज में कई रहस्य और रोमांच हैं, इसलिए मैं कहानी के बारे में ज्यादा नहीं बता सकती, लेकिन अविवा और उसके बॉयफ्रेंड का रिश्ता इस मुश्किल दुनिया में खुशियां लेकर आता है। हाल ही में मेकर्स ने सीरीज का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें दिखाया गया है कि यहां सब कुछ वैसा नहीं होता जैसा दिखता है। लोग और उनके इरादे अक्सर अलग होते हैं। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती, अपूर्वा का किरदार खास और असरदार छाप छोड़ता जाता है।

'मिर्जापुर' फिल्म में 'पंचायत' के जितेंद्र निभाएंगे दमदार किरदार, विक्रांत मैसी को करेंगे रिप्लेस

फिल्म 'मिर्जापुर' की कास्ट में जितेंद्र कुमार का नाम भी शामिल हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वह इस फिल्म में एक दमदार रोल करने वाले हैं। 'मिर्जापुर' में वह एक जाने-माने एक्टर को रिप्लेस कर रहे हैं।

जितेंद्र ने विक्रांत मैसी को रिप्लेस किया

सीरीज 'मिर्जापुर' में अली फजल और विक्रांत मैसी ने गुड्डू पंडित और बबलू पंडित के रोल निभाए थे। 'मिर्जापुर' फिल्म में भी दोनों यही किरदार निभाने वाले थे। मगर अब खबर है कि विक्रांत मैसी अपने कई फिल्म प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं तो वह 'मिर्जापुर' मूवी का हिस्सा नहीं बनेंगे। यही कारण है कि विक्रांत की जगह अब जितेंद्र कुमार बबलू पंडित का रोल निभाएंगे।

मेकर्स की तरफ से नहीं लगी मुहर

जितेंद्र कुमार के बबलू पंडित बनने की बात को अभी 'मिर्जापुर' फिल्म के मेकर्स की तरफ से अनाउंस नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में ही इस बात की चर्चा है। जितेंद्र की बात करें तो 'पंचायत' सीरीज के कारण वह काफी मशहूर हुए। वह अपने अब तक के करियर में कई वेब सीरीज और फिल्मों में भी दमदार किरदार निभा चुके हैं।

द गर्लफ्रेंड में काम कर गदगद हुए धीक्षित शेट्टी, रश्मिका मंदाना समेत टीम को कहा- थैंक्यू

एक्टर धीक्षित शेट्टी की हालिया परफॉर्मेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। निर्देशक राहुल रविंद्रन की मोस्ट-अवेटेड फिल्म द गर्लफ्रेंड के पहले गाने 'नाधिवे' में धीक्षित के डांस परफॉर्मेंस को खूब सराहना मिल रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर टीम का आभार जताया। शनिवार को धीक्षित ने इंस्टाग्राम पर एक नोट लिखकर को-स्टार रश्मिका मंदाना का आभार जताया। धीक्षित ने गाने के सेट से तस्वीरें और बिहाइंड-द-सीन वीडियो शेयर करते हुए लिखा, पता नहीं कहां से शुरू करूं। इतने बड़े सेट पर पहली बार डांस करना मेरे लिए यादगार अनुभव था। यह एक छोटा, लेकिन शानदार रोलर-कोस्टर सफर रहा।

उन्होंने निर्देशक राहुल रविंद्रन और निर्माताओं विद्या कोप्पिनीदी, धीरज मोगिलिनेनी और गीता आर्ट्स को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, राहुल सर ने हमेशा कुछ नया सोचा और हम पर भरोसा जताया। निर्माताओं का पूरा समर्थन रहा, इसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगा। धीक्षित ने कोरियोग्राफर विश्व किरण नंबी और उनकी टीम श्रीजनी राव और तेजस गौड़ा की तारीफ की, जिन्होंने मुश्किल मूव्स को भी आसान बना दिया। रश्मिका के लिए उन्होंने लिखा, मेरी शानदार को-स्टार रश्मिका, मुझ पर भरोसा करने के लिए आपको धन्यवाद। शानदार मूव्स करना आसान नहीं था। लेकिन, आपने इसे इतनी खूबसूरती से किया। आप स्टार हो और सच्ची प्रेरणा। उन्होंने फिजियो गायत्री शेट्टी को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने इस चुनौतीपूर्ण शूट के दौरान उनकी और रश्मिका की थकान और चोटों को ठीक किया। धीक्षित ने बताया कि 'नाधिवे' ने 1 करोड़ से ज्यादा व्यूज पार कर लिए हैं। उन्होंने कहा, आपके प्यार ने इस गाने को अपना बना लिया। इसके लिए मैं आभारी हूं। द गर्लफ्रेंड का लेखन और निर्देशन राहुल रविंद्रन ने किया है, जबकि इसका संगीत हेशम अब्दुल वहाब ने दिया है।

सोनाक्षी को मिली करियर की दूसरी सबसे खराब ओपनिंग

निकिता रॉय का निर्देशन एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे और सोनाक्षी सिन्हा के भाई कुश एस सिन्हा ने किया है। यह बतौर निर्देशक कुश की पहली निर्देशित फिल्म है। 18 जुलाई को फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय और कुश एस सिन्हा के निर्देशन में बनी फिल्म निकिता रॉय का पहले दिन का कलेक्शन सामने आ चुका है। पहले दिन आज शुक्रवार को फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 23 लाख रुपये की कमाई की है। फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन के हिसाब से लग रहा है कि यह फिल्म दर्शकों को कुछ खास रास नहीं आई। पहले दिन 23 लाख रुपए की कमाई करने के साथ ही 'निकिता रॉय' सोनाक्षी के करियर की दूसरी सबसे खराब ओपनिंग करने वाली फिल्म बन गई है। इससे भी कम ओपनिंग 'डबल एक्स एल' को मिली थी, जिसने अपने पहले दिन सिर्फ 15 लाख रुपए की ही कमाई की थी।

मैं अनुपमा में वनराज का किरदार नहीं कर रहा हूं

पिछले कुछ दिनों से टीवी के लोकप्रिय शो अनुपमा को लेकर एक चर्चा जोरों पर चल रही है कि जल्द ही शो में अभिनेता रोनित रॉय नजर आएंगे। चर्चाएं हैं कि रोनित शो में सुधांशु पांडे को रिप्लेस करेंगे और वनराज शाह का किरदार निभाएंगे।

अब इन चर्चाओं पर खुद रोनित रॉय ने प्रतिक्रिया दी है और फैंस को पुख्ता जानकारी दी है। रोनित रॉय जो टीवी से लेकर फिल्मों तक के अपने अलग-अलग किरदारों के लिए काफी मशहूर हैं। पिछले कुछ वक्त से रोनित के 'अनुपमा' शो में एंट्री करने की चर्चाएं एंटरटेनमेंट जगत का हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। अब रोनित

ने इन चर्चाओं पर स्पष्टीकरण देते हुए ये साफ कर दिया है कि वो 'अनुपमा' में नजर नहीं आएंगे। रोनित रॉय ने बताया कि मैं अनुपमा नहीं कर रहा हूं। यह खबर पूरी तरह से झूठी है और मैं वनराज का किरदार नहीं निभाऊंगा। रुपाली गांगुली की प्रमुख भूमिका वाले टीवी शो 'अनुपमा' में सुधांशु पांडे ने चार साल तक वनराज की भूमिका निभाई है।

इसके बाद साल 2024 में सुधांशु पांडे ने शो को बीच में ही छोड़ दिया था। इसके बाद अब पिछले कुछ दिनों से ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि शो की कहानी को आगे बढ़ाने के लिए मेकर्स शो में नए कैरेक्टर शामिल करने के बारे में सोच रहे हैं। इसी में रोनित रॉय के शो में वनराज के किरदार में नजर आने की चर्चाएं काफी तेजी से चल रही थीं। अब इन चर्चाओं पर रोनित रॉय ने पूरी तरह से विराम लगा दिया है।

करण वीर मेहरा को मिलेगा डॉन 3 में विलेन का रोल!

विक्रांत मैसी के बाहर होने के बाद बढ़ी उम्मीदें

अभिनेता और बिग बॉस 18 के विजेता करण वीर मेहरा को मशहूर निर्माता कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस के बाहर देखा गया। खबर है कि करण को आने वाली फिल्म डॉन 3 में खलनायक की भूमिका में लेने के लिए विचार किया जा रहा है। यह रोल पहले विक्रांत मैसी निभाने वाले थे, लेकिन उनके फिल्म से बाहर होने के बाद यह मौका करण को मिल सकता है। इंडस्ट्री के एक करीबी सूत्र ने बताया, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हाल ही में फिल्म सिला से उनका फर्स्ट लुक सामने आया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। ऐसे में उन्हें डॉन 3 में विलेन रोल के लिए अप्रोच किया जा सकता है। फरहान अख्तर निर्देशित डॉन 3 इस लोकप्रिय एक्शन फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म के रिलीज की संभावना दिसंबर 2026 तक है। यह फ्रैंचाइजी 1978 में बनी अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म डॉन से शुरू हुई थी। इसके बाद 2011 में इसके रीमेक डॉन- द चेज़ बिगिन्स में शाहरुख खान लीड एक्टर के तौर पर नजर आए। वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वर्तमान में मैरी कॉम और सरबजीत जैसी दमदार फिल्मों के लिए मशहूर डायरेक्टर उमंग कुमार निर्देशित सिला की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह जहराक नाम के विलेन का खतरनाक किरदार निभा रहे हैं। करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना फर्स्ट लुक शेयर किया था, जिसमें वह खून से लथपथ, लंबे उलझे बाल और हाथ में तलवार लिए नजर आए। इस लुक को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ! इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब भी अहम भूमिकाओं में हैं। बता दें कि सादिया फिल्म रक्षा बंधन में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्म में अक्षय की बहन की भूमिका निभाई थी। सिला को जी स्टूडियोज की ओर से दिखाया जायेगा।

साभार एजेंसी